

सांध्य दैनिक

नई दृष्टि बिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-272

संपादक आलोक तिवारी

दुर्ग, बुधवार 21 अक्टूबर 2026

पृष्ठ 08

मूल्य -2 रुपए

असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का शाश्वत संदेश देता है विजयादशमी का पर्व: सीएम विष्णु देव साय

श्री साय ऐतिहासिक रावणभाठा मैदान में आयोजित विजयादशमी उत्सव में हुए शामिल, प्रदेशवासियों को दी दशहरा पर्व की शुभकामनाएं



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक रावणभाठा मैदान में आयोजित विजयादशमी उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य, अन्याय पर न्याय और बुराई पर अच्छाई की विजय का शाश्वत संदेश देता है। विजयादशमी हमें अपने जीवन में सत्य, धर्म, न्याय और मानवता के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम प्रतिवर्ष रावण का पुतला दहन करते हैं, लेकिन इस पर्व की वास्तविक सांस्कृतिकता तभी है, जब हम अपने भीतर विद्यमान काम, क्रोध, मद और लोभ रूपी रावण का भी वध करें। विजयादशमी आत्ममंथन का अवसर है। यह पर्व हमें अपनी कमजोरियों और बुराइयों पर विजय प्राप्त कर सहुणों को अपनाने का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर का ऐतिहासिक रावणभाठा मैदान दशहरा उत्सव की लगभग 170 वर्ष पुरानी गौरवशाली परंपरा का साक्षी है। पीढ़ियों से यहां विजयादशमी का पर्व पूरे उत्तराखंड, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता रहा है। यह मैदान केवल रावण दहन का स्थल नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और सामूहिक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। उन्होंने इस ऐतिहासिक परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए आयोजन समिति और इससे जुड़े सभी लोगों की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर रावणभाठा दशहरा उत्सव के आयोजन के लिए प्रतिवर्ष 10 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपराओं और विरासत का संरक्षण तथा संवर्धन हमारी जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

प्रभु श्रीराम से छत्तीसगढ़ का आत्मीय

और अटूट संबंध

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए विजयादशमी का विशेष महत्व है, क्योंकि प्रभु श्रीराम का इस पावन धरती से अत्यंत गहरा और आत्मीय संबंध रहा है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वनवास काल में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी ने छत्तीसगढ़ की धरती पर लंबा समय व्यतीत किया। यही कारण है कि प्रभु श्रीराम की स्मृतियां और उनके आदर्श प्रदेश की लोकसंस्कृति, लोकजीवन और जनमानस में गहराई से रचे-बसे हैं।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन सत्य, मर्यादा, धैर्य, साहस, त्याग और न्याय के प्रति अटूट निष्ठा का अनुपम उदाहरण है। वनवास के दौरान उन्हें अनेक कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ा। रावण के पास विशाल सेना, अपार सामर्थ्य और अस्त्र-शस्त्र थे, फिर भी भगवान श्रीराम ने अपने दृढ़ संकल्प और धर्मबल से उसे परास्त किया। यह हमें सिखाता है कि उद्देश्य न्यायपूर्ण हो, संकल्प दृढ़ हो और मार्ग सत्य का हो, तो बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विजयादशमी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्य का मार्ग कठिन अवश्य हो सकता है, लेकिन अंततः विजय सत्य की ही होती है। प्रभु श्रीराम का रावण के विरुद्ध संघर्ष केवल एक युद्ध नहीं था, बल्कि अन्याय, अत्याचार और अधर्म के विरुद्ध धर्म एवं मानवीय मूल्यों की स्थापना का महान अभियान था।

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रावणभाठा का दशहरा उत्सव लगभग 170 वर्ष पुरानी गौरवशाली परंपरा है, जिसका आयोजन दूधधारी मठ द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि देश अपनी प्राचीन विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजते हुए विकास के पथ पर आगे बढ़े। उन्होंने माता दुर्गा और प्रभु श्रीराम से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और इस अवसर पर विधायक श्री सुनील सोनी सहित श्री अंजय शुक्ला, श्री सुभाष तिवारी, श्री मनोज वर्मा, श्री सुशील ओझा, श्री उमेश गुप्ता, श्री संजु नारायण, सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

भिलाई में धूमधाम से हुआ रावण दहन, जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा शहर

विजयादशमी हथौलास से मनाया गया, रावण दहन देखने उमड़े लोग

भिलाई। असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व भिलाई में उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। दशहरा उत्सव के दौरान रावण दहन किया गया। जैसे ही रावण का पुतला धू-धू कर जला, पूरा वातावरण जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने उत्सव में शामिल होकर विजयादशमी की खुशियां साझा कीं। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में रावण दहन को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। दशहरा भारतीय संस्कृति और परंपरा का प्रमुख पर्व है। यह पर्व भगवान श्रीराम की रावण पर विजय की स्मृति में मनाया जाता है। रावण दहन के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया जाता है कि अहंकार, अन्याय और अधर्म चाहे कितने भी शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः सत्य और सदाचार की ही विजय होती है। भिलाई में भी इस परंपरा का निर्वहन करते हुए लोगों ने उत्साहपूर्वक पर्व मनाया।

रावण दहन देखने उमड़े लोग

दशहरा उत्सव को लेकर लोगों में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। भिलाई के सेक्टर-7, बैकूठ धाम, सेक्टर-9, हुडको, सेक्टर-2 सिविक सेक्टर सहित शहर में शाम होते ही आयोजन स्थल पर लोगों की आवाजाही बढ़ने लगी। परिवारों के साथ पहुंचे लोगों ने रावण दहन का दृश्य देखा और पर्व की खुशियों मनाई। बच्चों के लिए यह आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उत्सव के दौरान लोगों ने एक-दूसरे को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। रावण दहन भारतीय समाज में पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस आयोजन के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श, मर्यादा, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपालन को याद किया जाता है। पर्व लोगों को यह भी प्रेरित करता है कि वे अपने जीवन में अच्छे विचारों और नैतिक मूल्यों को अपनाएं।

अहंकार के अंत का प्रतीक है रावण दहन

रावण को विद्वान और शक्तिशाली होने के बावजूद अहंकार एवं अधर्म के कारण पतन का प्रतीक माना जाता है। उसका दहन इस बात की याद दिलाता है कि शक्ति और ज्ञान का उपयोग सदैव जनकल्याण एवं न्याय के लिए होना चाहिए। जब व्यक्ति अहंकार में डूबकर मर्यादा और नैतिकता का



त्याग कर देता है, तो उसका पतन निश्चित हो जाता है। विजयादशमी का पर्व लोगों को अपने भीतर मौजूद बुराइयों को पहचानने और उन्हें दूर करने की प्रेरणा देता है। क्रोध, लालच, द्वेष, ईर्ष्या और अहंकार जैसी प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करना ही इस पर्व का वास्तविक संदेश है। रावण के पुतले का दहन प्रतीकात्मक रूप से इन्हीं बुराइयों को समाप्त करने का आह्वान करता है।

सामाजिक एकता और सद्भाव का संदेश

दशहरा उत्सव केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक मेल-मिलाप और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का अवसर भी है। ऐसे आयोजनों में विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ शामिल होकर उत्सव की खुशियां मनाते हैं। इससे सामाजिक एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जुड़ाव मजबूत होता है। भिलाई जैसे औद्योगिक शहर में विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के लोग मिलकर त्योहार मनाते हैं। विजयादशमी का पर्व भी लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर प्रेम और सद्भाव के साथ रहने की प्रेरणा देता है।

नई पीढ़ी तक पहुंच रही परंपरा

दशहरा और रावण दहन के आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक मान्यताओं और पौराणिक प्रसंगों से परिचित कराने का माध्यम भी है। बच्चों को भगवान श्रीराम के जीवन, उनके आदर्शों और रावण के पतन की कथा के माध्यम से सत्य, संयम और मर्यादा का महत्व समझने का अवसर मिलता है। भिलाई में हथौलास के साथ मनाए गए विजयादशमी पर्व ने एक बार फिर सत्य की विजय और अधर्म के अंत का संदेश दिया।

यात्रा

कन्या पूजन के बाद शुरू हुई दिग्विजय सिंह की सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा

उज्जैन से अयोध्या तक 950 KM पैदल चलेंगे

नई दृष्टिबिंदु / उज्जैन

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की 950 किलोमीटर लंबी सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा का मंगलवार को उज्जैन से भव्य आगाज हुआ। यात्रा से पहले मंदिरों में दर्शन, पार्थिव शिवलिंग निर्माण और कन्या पूजन किया गया। जय श्रीराम के जयघोष के साथ शुरू हुई यह यात्रा 70 दिन बाद अयोध्या के श्रीराम मंदिर में संपन्न होगी।

दिग्विजय सिंह मंदिरों में चढ़ावे और धार्मिक स्थलों की व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर यह यात्रा निकाल रहे हैं। मंगलवार सुबह दिग्विजय सिंह पत्नी अमृता सिंह के साथ चिंतामण गणेश मंदिर पहुंचे और दर्शन किए। इसके बाद नृसिंह घाट स्थित बालाजी गार्डन पहुंचे। यहां साधु-संतों और आम लोगों के साथ उन्होंने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया। गार्डन में उनके पुत्र एवं पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह व्यवस्थाओं की देखरेख में लगे रहे।



यहां कन्या पूजन का आयोजन किया गया। सांवर के श्रीफ पटेल की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया था। दिग्विजय ने कन्या पूजन कर भंडारे में प्रसादी ग्रहण की। दोपहर करीब 1 बजे यात्रा की शुरुआत हुई। यात्रा में कंप्यूटर बाबा सहित साधु-संतों का दल, बैंड दल और शिवाजी की

झांकी शामिल रही। कांग्रेस विधायक महेश परमार, दिनेश जैन बोस, पूर्व विधायक दिलीप सिंह गुर्जर, पूर्व सांसद प्रेमचंद गुड्डा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी सहित कई नेता शामिल हुए। शाम को यात्रा कानिपुरा पहुंची। यात्रा में आम लोगों के अलावा सामाजिक संगठन और मुस्लिम समाज के लोग भी शामिल हुए।

यात्रा के पहले दिन बड़े कांग्रेसी नेताओं की अनुपस्थिति चर्चा का विषय रही। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, अजय सिंह, अरुण यादव, कालिलाल धूरिया सहित प्रदेश के कई बड़े नेता उज्जैन में मौजूद नहीं रहे।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी भी महाकाल चौराहे से यात्रा में शामिल हुए और कोयला फाटक तक दिग्विजय सिंह के साथ चले। हालांकि दिग्विजय सिंह पहले ही इसे गैर-राजनीतिक यात्रा बता चुके हैं। रास्ते में 50 से अधिक मंचों से यात्रा का स्वागत किया गया।

लगभग 70 दिनों की इस यात्रा में दिग्विजय सिंह प्रतिदिन करीब 15 किलोमीटर पैदल चलेंगे। पड़ाव स्थलों पर लोगों की ओर से भोजन, चाय-नाश्ता और ठहरने की व्यवस्थाएं की गई हैं।

यात्रा में एक विशेष रथ भी साथ चलेगा। इसमें भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की प्रतिमाएं स्थापित हैं।

स्टील प्लांट हादसे में मजदूर की मौत, जे.डी. स्टील के निदेशक और ठेकेदार पर एफआईआर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

चौकी अंजोरा (थाना पुलगांव) क्षेत्र अंतर्गत रसमड़ा स्थित एक स्टील प्लांट में हुए हादसे के बाद पुलिस ने प्लांट के निदेशक और ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दिनांक 17 अक्टूबर को इंडक्शन फर्नेस के ट्रायल कार्य के दौरान पिघला हुआ अतिरिक्त मात्रा में बाहर आ गया, जिससे वहां कार्य कर रहे संतोष श्रीवास्तव, उम्र 42 वर्ष, गंभीर रूप से झुलस गए। उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। प्रारंभिक जांच में प्लांट संचालन के दौरान उपेक्षापूर्ण आचरण और इसके परिणामस्वरूप हुई मृत्यु के संबंध में प्लांट संचालक और ठेकेदार के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (इडर) की धारा 289 तथा 106(1) के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

पिघला मेटल गिर जाने से मजदूर की मौत हो गई थी

सच्ची खबर, सही खबर सबसे पहले, सबसे तेज

हर खबर, हर अपडेट अब YouTube पर

NDB NEWS
नई दृष्टि बिंदु

हमारे चैनल को YouTube पर सर्च करें

Nai Drishti Bindu

हमारे साथ जुड़ें

5K+ SUBSCRIBERS
804 VIDEOS
65.55 LAKH+ VIEWS

विश्वसनीय पत्रकारिता का विश्वास सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

ताजा खबर, भाई रिपोर्ट, जनता की आवाज, एक्सक्लूसिव वीडियो

अभी SUBSCRIBE करें और पाएं हर खबर सबसे पहले!

हम नहीं दिखाते सिर्फ खबर, हम दिखाते हैं नई दृष्टि!

हाईवे पेट्रोलिंग से 46 घायलों को गोल्डन आवर्स में पहुंचाया अस्पताल



टीम ने सड़क दुर्घटनाओं में घायल 46 लोगों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर मदद की

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नेशनल हाईवे-53 पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए दुर्ग यातायात पुलिस की हाईवे पेट्रोलिंग टीम लगातार निगरानी कर रही है। वर्ष 2026 के बीते नौ महीनों में टीम ने सड़क दुर्घटनाओं में घायल 46 लोगों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराने में मदद की। वहीं, सड़क पर अवैध रूप से खड़े 2,683 वाहनों को हटाया गया और विचरण कर रहे 3,256 मवेशियों को सुरक्षित हटाने की कार्रवाई की गई।

उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देशानुसार कुम्हारी टोल लाजा से खपरी नाला बाईपास मार्ग तक हाईवे पेट्रोलिंग टीम नियमित गश्त कर रही है। टीम दुर्घटना में घायलों को गोल्डन आवर्स यानी उपचार के लिए शुरुआती महत्वपूर्ण समय में अस्पताल पहुंचाने के साथ ही सड़क पर अवैध पार्किंग करने

वाले वाहनों को हटाने और जाम की स्थिति में यातायात बहाल कराने का काम कर रही है। हाईवे पर मवेशियों के विचरण से होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने के लिए भी टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। सड़क पर बाधा बनने वाले वाहनों और मवेशियों को हटाने से वाहन चालकों की आवाजाही सुगम बनाने में मदद मिल रही है। यातायात पुलिस के अनुसार हाईवे पेट्रोलिंग का उद्देश्य केवल यातायात व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित उपचार दिलाना और सड़क पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना भी है।

यातायात पुलिस की अपील: वाहन चालक नेशनल हाईवे पर निर्धारित स्थानों पर ही वाहन पार्क करें। मवेशियों को सड़क पर खुला न छोड़ें। दुर्घटना या जाम की स्थिति में पुलिस एवं हाईवे पेट्रोलिंग टीम का सहयोग करें और यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल के आठ कामिकों को मिला सम्मान

बीएसपी प्रबंधन ने उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, सुरक्षा और समर्पण के लिए किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की शिरोमणि पुरस्कार योजना के तहत रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) के आठ कामिकों को उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, नवाचार और सुरक्षित कार्यप्रणाली के लिए कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएस) तीर्थकर दत्तदीन ने पुरस्कृत कामिकों को उपहार, प्रशस्ति पत्र एवं मिठाई कुपन प्रदान किए। साथ ही उनके जीवनसाथियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पुरस्कार प्राप्त करने वालों में संजय कुमार देवांगन, विपुल चंद्र विकटर, महेश्वरी देवांगन, विक्रमादित्य बोस, विनोद कुमार,



रोहित कुमार नेताम, अली अकरम और शरत शामिल हैं। मुख्य महाप्रबंधक तीर्थकर दत्तदीन ने सभी पुरस्कृत कामिकों को बधाई देते हुए उनके समर्पण,

कर्मठता, अनुशासन और सुरक्षा के प्रति सजगता की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले कार्मिक अन्य सहकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने सभी

कर्मचारियों से कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्यप्रणालियों का पालन करने और अपने सहयोगियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

शिरोमणि पुरस्कार योजना का उद्देश्य कार्यक्षेत्र में नवाचार, संसाधनों के बेहतर उपयोग, संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति तथा सुरक्षा मानकों के अनुरूप उल्लेखनीय प्रदर्शन करने

वाले कामिकों को प्रोत्साहित करना है।

सम्मानित कामिकों ने प्रबंधन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इस तरह के सम्मान से उनका मनोबल बढ़ता है और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में आरएसएम के महाप्रबंधक अरविन्द टंडन, एन.के. खरे, प्रशांत खोंड, धुरजती सिन्हा एवं एस.के. गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मानव संसाधन विभाग, मिल्स जोन-2 की वरिष्ठ प्रबंधक अनुराधा साहा एवं सहायक प्रबंधक ईतवारी राम चेलक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी जसबीर सिंह ने किया। आयोजन में राजेश बाबू काम्बले का विशेष सहयोग रहा।

दुर्ग पुलिस लाइन में शस्त्र पूजा वाहन पूजन और हुआ हवन

एसएसपी विजय अग्रवाल सहित पुलिस अधिकारियों ने की पूजा-अर्चना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दशहरा पर्व की परंपरा के अनुरूप दुर्ग पुलिस द्वारा पुलिस लाइन में शस्त्र पूजा, वाहन पूजन एवं हवन का आयोजन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित पुलिस अधिकारियों एवं कमचारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर विभागीय शस्त्रों और वाहनों का पूजन किया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग के शस्त्रों के साथ पुलिस लाइन में उपलब्ध वाहनों तथा राजपत्रित अधिकारियों के शासकीय वाहनों की भी पूजा की गई। हवन एवं शस्त्र पूजन संपन्न होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया और सुरक्षा मानकों का



पालन करते हुए ब्लैक कारतूसों से औपचारिक फायरिंग की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मणिशंकर चन्द्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल सहित जिले के राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन पुलिस लाइन के अधिकारियों एवं कमचारियों के सहयोग से सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इस आयोजन के माध्यम से पुलिस विभाग की परंपराओं, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

अर्बन चैलेंज फंड के तहत सोलर पावर प्लांट और कर्मशियल टावर निर्माण पर होगा मंथन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत नगरीय निकायों में विकास कार्यों को गति देने, आर्थिक संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा शहरों की अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से होटल मेफेयर रिसोर्ट नवा रायपुर में सभी महापौर एवं आयुक्तों की कार्यशाला आयोजित की गई है। कार्यशाला में नगर निगम की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और दीर्घकालिक विकास की संभावनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा की जाएगी।

कार्यशाला में 10 मेगावाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट की स्थापना का प्रस्ताव महत्वपूर्ण विषय रहेगा। सेमरिया में सोलर पावर प्लांट स्थापित किए जाने से नगर निगम की बिजली पर होने

निगम की आय वृद्धि और शहरी अधोसंरचना विकास पर होगी चर्चा

वाली व्यय राशि में कमी लाने, ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की संभावनाएं हैं। यह परियोजना भविष्य में निगम के व्यय को कम कर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग अन्य विकास कार्यों में करने में सहायक हो सकती है।

इसी प्रकार, अर्बन चैलेंज फंड अंतर्गत करसी

टॉवर/कर्मशियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण की संभावनाओं पर भी विचार किया जाएगा। इस प्रकार की व्यावसायिक परियोजना से शहर में व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन, निवेश के अवसरों का विस्तार तथा नगर निगम के लिए आय के नए स्रोत विकसित करने में मदद मिल सकती है। साथ ही, इससे शहर की व्यावसायिक अधोसंरचना को मजबूत करने और विकास की नई संभावनाएं तैयार करने का अवसर मिलेगा।

इन परियोजनाओं के माध्यम से नगर निगम की आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ाने, दीर्घकालिक वित्तीय लाभ सुनिश्चित करने तथा शहर के सुनियोजित विकास को गति देने की दिशा में संभावनाओं का आकलन किया जाएगा।

सहपरिवार माता रानी के हवन-पूजन में शामिल हुए विधायक देवेन्द्र यादव

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नवरात्रि के पावन अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव अपनी पत्नी, बेटे और परिवार के साथ माता रानी के हवन-पूजन में शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद लिया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की।

इस दौरान विधायक देवेन्द्र यादव ने माता रानी की आरती की और श्रद्धालुओं के साथ भक्तिभाव से गरबा किया। विधायक को अपने बीच पाकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। उन्होंने भक्तों के साथ नवरात्रि की खुशियां साझा कीं और सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं। पूजन के पश्चात विधायक ने श्रद्धालुओं को माता रानी का भोग-प्रसाद वितरित किया। उन्होंने कहा



कि नवरात्रि आस्था, भक्ति और शक्ति की उपासना का पर्व है। यह हमें आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता के साथ रहने की प्रेरणा देता है। नवरात्रि के दौरान शहर के

विभिन्न क्षेत्रों में हवन-पूजन, आरती और गरबा के आयोजन हो रहे हैं। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भक्तिभाव से माता रानी की आराधना कर रहे हैं।

सुविधा सेल और रेलवे के संयुक्त प्रयासों से परियोजना, औद्योगिक विकास को भी मिलेगा आधार

रावघाट पहुंची रेल, बस्तर के विकास को मिलेगी नई राह

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बस्तर को देश की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रावघाटझावापुर ममू यात्री रेल सेवा का शुभारंभ 20 अक्टूबर को किया जाएगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस यात्री रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। रावघाट तक रेल संपर्क का विस्तार क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों तक पहुंच आसान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



निवेश कर चुका है। रेल लाइन निर्माण, रेलवे स्टेशनों के विकास और विद्युतीकरण कार्यों में बीएसपी ने महत्वपूर्ण वित्तीय योगदान दिया है।

रावघाट तक यात्री रेल सेवा पहुंचने से क्षेत्र के लोगों

को आवागमन का एक नया विकल्प मिलेगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार और व्यापार से जुड़े अवसरों तक पहुंच सुगम होने की उम्मीद है। दूरस्थ क्षेत्रों का छत्तीसगढ़ के अन्य हिस्सों और देश के प्रमुख केंद्रों से

संपर्क भी मजबूत होगा।

दक्षीराजहरा से ताड़ुकी के बीच यात्री रेल सेवा वर्ष 2022 में शुरू हुई थी। अब रावघाट तक रेल सेवा का विस्तार इस नेटवर्क को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों और वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों से गुजरने वाले रेल मार्ग के निर्माण में विभिन्न एजेंसियों के समन्वित प्रयासों की अहम भूमिका रही है।

रावघाट क्षेत्र में सेल की लौह अयस्क खदानों का विकास प्रस्तावित है, जिसमें लगभग तीन वर्ष लगने की संभावना जताई गई है। खदानों के विकास के साथ रेल संपर्क औद्योगिक गतिविधियों और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हालांकि, यात्री रेल सेवा का लाभ क्षेत्र के लोगों को औद्योगिक परियोजना के पूर्ण होने से पहले ही मिलने लगेगा।

यह रेल सेवा केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि बस्तर में विकास की संभावनाओं को आगे बढ़ाने वाली पहल है। इससे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिलने तथा स्थानीय लोगों के लिए नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

तालपुरी गुलमोहर समिति ए-ब्लॉक में बच्चों द्वारा स्वस्फूर्त रामलीला का मंचन



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

तालपुरी गुलमोहर समिति, ए-ब्लॉक में विजयादशमी के पावन पर्व पर कॉलोनी के बच्चों द्वारा स्वस्फूर्त रामलीला का भव्य मंचन किया गया।

परीक्षाओं के बीच तैयारी कर बच्चों ने भगवान राम, सीता और रावण सहित विभिन्न पात्रों का सजीव अभिनय प्रस्तुत किया, जिसकी तालपुरी वासियों ने खूब सराहना की। कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में कॉलोनी वासी उपस्थित रहे।

रावण दहन के पश्चात फलश्रुत कमेटी के साथ-साथ छव्दपञ्च कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में सभी कलाकार बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु सम्मानित किया गया। सभी सदस्यों ने बच्चों के इस प्रयास को संस्कार और संस्कृति से जोड़ने वाला अनुकरणीय कार्य बताया।

इस अवसर पर गुलमोहर समिति और छव्दपञ्च कमेटी के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में तालपुरी वासी उपस्थित थे।

संपादकीय

नए अवसरों के साथ किसानों, उद्योगों और रोजगार की सुरक्षा भी जरूरी

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ताजा बयान ने इस संभावना को बल दिया है कि दोनों देश व्यापारिक रिश्तों को नई दिशा देने के करीब पहुंच रहे हैं। दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच होने वाला यह समझौता केवल आयात-निर्यात तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत की आर्थिक नीतियों, घरेलू उद्योगों, कृषि क्षेत्र, रोजगार और आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि समझौता कितनी जल्दी होता है, बल्कि यह है कि इसकी शर्तें भारत के लिए कितनी लाभकारी साबित होती हैं।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों का विस्तार दोनों देशों की जरूरत है। अमेरिका भारतीय उत्पादों के लिए बड़ा बाजार है, वहीं भारत अमेरिकी कंपनियों के लिए निवेश और कारोबार की व्यापक संभावनाएं प्रस्तुत करता है। व्यापार समझौते के जरिए भारतीय वस्त्र, दवा, इंजीनियरिंग उत्पाद, रब-आभूषण और अन्य विनिर्माण क्षेत्रों को अमेरिकी बाजार में बेहतर अवसर मिल सकते हैं। यदि भारतीय उत्पादों पर शुल्क संबंधी बाधाएं कम होती हैं, तो निर्यात की गति मिल सकती है। इससे उत्पादन बढ़ने, नए उद्योग स्थापित होने और रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना भी बनेगी।

लेकिन किसी भी व्यापार समझौते का आकलन केवल संभावित लाभों के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। इसके दूसरे पक्ष को भी गंभीरता से समझना होगा। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि और उससे जुड़े व्यवसायों की महत्वपूर्ण भूमिका है। देश के करोड़ों परिवारों की आजीविका खेती, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र पर निर्भर है। यदि अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में व्यापक रियायतें मिलती हैं, तो घरेलू किसानों और उत्पादकों के सामने प्रतिस्पर्धा की चुनौती बढ़ सकती है। इसलिए सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि व्यापार विस्तार की कीमत किसानों को अपनी आय और बाजार हिस्सेदारी में नुकसान उठाकर न चुकानी पड़े।

डेयरी क्षेत्र का मामला भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत में दूध उत्पादन केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। लाखों छोटे पशुपालक और सहकारी संस्थाएं इस क्षेत्र से जुड़ी हैं। विदेशी उत्पादों के लिए बाजार खोलते समय इनकी आर्थिक स्थिति, उत्पादन लागत और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का आकलन आवश्यक है। वैश्विक व्यापार से लाभ उठाने की कोशिश में उन लोगों के हितों को अनदेखी नहीं होनी चाहिए, जिनकी आजीविका सीमित संसाधनों पर टिकी है।

दूसरी ओर, भारतीय उद्योगों की भी स्थिर और स्पष्ट व्यापारिक नीतियों की आवश्यकता है। अमेरिकी बाजार में शुल्क संबंधी अनिश्चितता भारतीय निर्यातकों की लागत और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित कर सकती है। यदि समझौते से भारतीय उत्पादों को बेहतर बाजार पहुंच मिलती है, तो छोटे और मध्यम उद्योगों को भी आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। इसके लिए केवल बड़े निर्यातकों पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं होगा। छोटे उद्यमों को वित्त, तकनीक, गुणवत्ता मानकों और बाजार संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी मजबूत करनी होगी।

भारत के लिए ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग भी महत्वपूर्ण है। अमेरिका के साथ व्यापार बढ़ने से आधुनिक तकनीक, निवेश और औद्योगिक सहयोग के नए रास्ते खुल सकते हैं। फिर भी ऊर्जा जरूरतों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में भारत को अपने विकल्प खुले रखने होंगे। किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता से बचना और राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता बनाए रखना आवश्यक है। व्यापारिक साझेदारी मजबूत होनी चाहिए, लेकिन उससे देश की नीतिगत स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

यह समझना भी जरूरी है कि व्यापार समझौते में रियायतें एकतरफा नहीं हो सकती हैं। यदि भारत अमेरिकी उत्पादों के लिए अपना बाजार खोलता है, तो भारतीय निर्यातकों को भी उसके अनुरूप लाभ मिलना चाहिए। समझौते की शर्तें स्पष्ट हों, विवादों के समाधान की प्रभावी व्यवस्था हो और किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति में भारतीय उद्योगों के हितों की रक्षा के उपाय मौजूद रहें। सरकार को यह भी देखना होगा कि समझौते से मिलने वाले लाभ देश के विभिन्न क्षेत्रों और सामाजिक वर्गों तक किस तरह पहुंचेंगे।

भारत की बढ़ती आर्थिक क्षमता उसे वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर देती है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ना जरूरी है। लेकिन आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग रहना नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी क्षमता मजबूत करना है। भारत को ऐसी नीति अपनानी होगी, जिसमें विदेशी निवेश और व्यापार को प्रोत्साहन मिले, साथ ही घरेलू उत्पादन, स्थानीय रोजगार और छोटे कारोबारियों की स्थिति भी मजबूत हो। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती संतुलन कायम करने की है। एक ओर निर्यात बढ़ाने और निवेश आकर्षित करने की जरूरत है, तो दूसरी ओर किसानों, श्रमिकों, छोटे उद्योगों और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। समझौते के प्रभावों की समय-समय पर समीक्षा और जरूरत पड़ने पर सुधार की व्यवस्था इस दिशा में उपयोगी साबित हो सकती है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील को न तो केवल आर्थिक उपलब्धि मानकर उत्सव मनाने की जरूरत है और न ही आशंकाओं के कारण संभावित अवसरों से पीछे हटने की। सही रास्ता तय करें, पारदर्शिता और राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेने का है। ट्रम्प के बयान से बातचीत को लेकर उम्मीदें जरूर बढ़ी हैं, लेकिन अंतिम निर्णय समझौते की वास्तविक शर्तों और उनके परिणामों के आधार पर ही होना चाहिए।

जनभागीदारी से मजबूत हो रहा जनता का विश्वास

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता का विश्वास है और सुशासन उस विश्वास को मजबूत करने का सबसे प्रभावी माध्यम। जब शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, समस्याओं का समयबद्ध समाधान होता है और आम नागरिक को अपने अधिकारों एवं सुविधाओं के लिए अनावश्यक भटकना नहीं पड़ता, तभी सुशासन की अवधारणा सार्थक होती है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इसी भावना के अनुरूप संवेदनशील, पारदर्शी और जनोन्मुखी प्रशासन को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। शासन की कार्यप्रणाली को अधिक सरल, सुलभ और जवाबदेह बनाने के प्रयासों से प्रशासन और आम नागरिकों के बीच संवाद तथा विश्वास का नया वातावरण विकसित हो रहा है। सुशासन की पहली शर्त है कि आम नागरिक की बात सुनी जाए और उसकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल हो। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनसमस्याओं के निराकरण को शासन की प्राथमिकताओं में स्थान दिया है। नागरिकों को अपनी समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सीधे शासन-प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है। जिला और विकासखंड स्तर पर आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर भी प्रशासन को नागरिकों के निकट लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों की सेवाओं और योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा प्राप्त आवेदनों के निराकरण की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

डिजिटल सुशासन से आसान हो रही शासकीय सेवाएं बदलते समय में तकनीक सुशासन का सशक्त आधार बनकर उभरी है। छत्तीसगढ़ में डिजिटल माध्यमों से शासकीय सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। सेवा सेतु पोर्टल और डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए आवेदन करने और प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने में सहायता मिल रही है।

डिजिटल व्यवस्थाओं का महत्व केवल ऑनलाइन आवेदन तक सीमित नहीं है। इनका उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना, अनावश्यक विलंब कम करना और नागरिकों को सेवाओं की स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराना भी है। तकनीक आधारित प्रशासन से शासन और जनता के बीच विश्वास का संबंध और अधिक मजबूत करने की संभावनाएं बढ़ी हैं।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों और जनजातीय समुदायों के कल्याण को विशेष प्राथमिकता दे रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह सहायता घरेलू आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और छोटी बचत जैसे कार्यों में महिलाओं के लिए उपयोगी साबित हो रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों के पक्के घर का सपना साकार करने की दिशा में कार्य किया

जा रहा है। किसानों के लिए संचालित योजनाएं, स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका से जुड़ी पहलें भी नागरिकों के जीवन में आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा का आधार बन रही हैं।

इन योजनाओं की वास्तविक सफलता उन परिवारों के जीवन में दिखाई देती है, जिन्हें शासन की सहायता से अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

शिकायत निवारण से जवाबदेह प्रशासन की ओर सुशासन का अर्थ केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनना और उनका समाधान सुनिश्चित करना भी है। इसी दिशा में सीएम हेल्पलाइन 1076 नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने और उसके निराकरण की स्थिति जानने का माध्यम उपलब्ध कराती है। नगरीय क्षेत्रों में निदान-1100 के माध्यम से साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों के समाधान की व्यवस्था विकसित की गई है। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य शिकायत निवारण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। जब नागरिक अपनी समस्या दर्ज कराने के साथ उसकी प्रगति भी जान सकते हैं, तब प्रशासन के प्रति उनका भरोसा मजबूत होता है।

गांव से शहर तक विकास, हर वर्ग के कल्याण का प्रयास

छत्तीसगढ़ की बड़ी आबादी ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में निवास करती है। इसलिए सुशासन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार दूरस्थ अंचलों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पहुंच है। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण विकास, जनजातीय कल्याण, महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से विकास को अधिक समावेशी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा जैसे अंचलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार तथा स्थानीय समुदायों के सशक्तिकरण का महत्व और भी बढ़ जाता है।

सुशासन की वास्तविक पहचान तब बनती है, जब दूरस्थ गांव में रहने वाले नागरिक भी वही सम्मान, सुविधा और अवसर प्राप्त हों, जो शहरों में उपलब्ध हैं।

जनभागीदारी से मजबूत होता सुशासन का संकल्प

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान ने जनसेवा और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान किया। अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु, सेवा की कहानी, सेवा

मेरा योगदान और सुशासन सेवा संवाद जैसी पहलों ने नागरिकों को शासन की सेवाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ने का संदेश दिया।

सुशासन केवल सरकार और प्रशासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से भी मजबूत होता है। नागरिकों के सुझाव, सामाजिक सहयोग और जनहित के कार्यों में भागीदारी विकास की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

सुशासन का वास्तविक अर्थ है हर नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन को जनसेवा, संवेदनशीलता और जवाबदेही से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। योजनाओं की प्रभावशीलता, शिकायतों का समयबद्ध समाधान और नागरिकों की संतुष्टि ही इन प्रयासों की वास्तविक कसौटी होगी। सुशासन का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें गरीब को सम्मान, किसान को संबल, महिलाओं को सुरक्षा, युवाओं को अवसर और प्रत्येक नागरिक को न्यायपूर्ण एवं सरल शासकीय सेवाएं उपलब्ध हों। शासन और जनता के बीच दूरी कम होने का वास्तविक अर्थ केवल कार्यालयों तक पहुंच आसान होना नहीं, बल्कि नागरिकों के मन में यह विश्वास पैदा होना है कि सरकार उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील है और उनके समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है। इसी विश्वास, जनभागीदारी और संवेदनशील प्रशासन के आधार पर छत्तीसगढ़ विकसित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है। सुशासन से विश्वास, विश्वास से जनभागीदारी और जनभागीदारी से विकसित छत्तीसगढ़, यही समावेशी विकास की सशक्त आधारशिला है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था में मजबूती

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मंगलवार को जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूओ) रिपोर्ट के अक्टूबर संस्करण में वैश्विक अर्थव्यवस्था की मजबूती को रेखांकित किया गया है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान कई व्यवधानों के बावजूद आर्थिक वृद्धि काफी हद तक मजबूत बनी रही है। भारत ने भी वृद्धि के मोर्चे पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईएमएफ के नवीनतम आकलन के अनुसार वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2026 में 3.1 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह जुलाई के अनुमान से 10 आधार अंक अधिक है। वर्ष 2027 में वृद्धि दर बढ़कर 3.4 फीसदी रहने की संभावना है। आईएमएफ ने चालू वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है जबकि जुलाई में उसने इसके 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था। अगले वित्त वर्ष में भी वृद्धि दर 7 फीसदी रहने की उम्मीद है जो आईएमएफ के जुलाई के अनुमान से 30 आधार अंक अधिक है। इस अनुमान में वृद्धि का आधार अन्य कारकों के साथ-साथ घरेलू मांग का मजबूत बने रहना है।

रिपोर्ट के अनुसार दो प्रकार के कारकों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को ऊर्जा और जिंसों की कीमतों में आए हालिया झटके का सामना करने में मदद की है। पहला कारक ऊर्जा आपूर्ति के मार्गों में बदलाव है। इसके कारण अन्य देशों में ऊर्जा उत्पादन तय्यो, पारदर्शिता और राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेने का है। ट्रम्प के बयान से बातचीत को लेकर उम्मीदें जरूर बढ़ी हैं, लेकिन अंतिम निर्णय समझौते की वास्तविक शर्तों और उनके परिणामों के आधार पर ही होना चाहिए।



कारक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और इससे जुड़े क्षेत्रों में लगातार हो रहा निवेश है। इससे वैश्विक आर्थिक गतिविधियों और व्यापार को उल्लेखनीय प्रोत्साहन मिला है।

लेकिन इन कारकों की भी अपनी सीमाएं हैं। यदि पश्चिम एशिया से ऊर्जा आपूर्ति जल्द बहाल नहीं होती है, तो भंडार में गिरावट का असर कीमतों और उपलब्धता पर तेजी से दिखाई देने लग सकता है। एआई क्षेत्र में आई तेजी और इससे जुड़ी कंपनियों के बहुत ऊंचे बाजार मूल्यांकन को लेकर पहले से ही चिंताएं बढ़ रही हैं। यदि ये कंपनियां

बाजार की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती हैं तो इससे वित्तीय बाजारों में गंभीर उथल-पुथल पैदा हो सकती है।

आईएमएफ के मुताबिक आर्थिक वृद्धि कुछ चुनिंदा देशों तक सिमटती जा रही है। अब केवल 32 अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक वृद्धि में 95 फीसदी का योगदान दे रही हैं। अप्रैल में यह वृद्धि 54 अर्थव्यवस्थाओं में बंटी हुई थी। यानी विभिन्न देशों के बीच आर्थिक वृद्धि का पुनर्वितरण हो रहा है। वृद्धि का कुछ ही देशों में केंद्रित होना वैश्विक आर्थिक वृद्धि और व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए बड़ा

जोखिम पैदा कर सकता है।

यह तब हो रहा है जब सार्वजनिक ऋण का स्तर ऊंचा बना हुआ है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं की भारी सरकारी उधारी आवश्यकताओं और एआई कंपनियों की विशाल निवेश जरूरतों के कारण वैश्विक वित्तीय परिस्थितियां सख्त हो सकती हैं। इसका असर छोटी और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की ओर होने वाले पूंजी प्रवाह पर पड़ सकता है, जिससे उनकी वृद्धि संभावनाएं प्रभावित होंगी।

इससे वित्तीय स्थिरता के जोखिम भी बढ़ सकते हैं। इधर, भारत की आर्थिक वृद्धि दर अच्छी रहने की उम्मीद है। आईएमएफ के वृद्धि अनुमानों और उनमें किए गए संशोधनों से भी इसकी पुष्टि होती है। हालांकि यह ध्यान रखना होगा कि भारत ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधानों के प्रति काफी संवेदनशील है और एआई क्षेत्र में आई तेजी से उसे कोई बड़ा लाभ नहीं मिल रहा है।

वास्तव में अन्य देशों में एआई क्षेत्र में आई तेजी आंशिक रूप से पूंजी प्रवाह को प्रभावित कर रही है, जिसका असर भारत के वित्त बाजार और मुद्रा बाजार दोनों पर पड़ रहा है। भारत ने भुगतान संतुलन पर पड़ रहे दबाव से निपटने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने के उद्देश्य से विदेशी मुद्रा का एक बड़ा हिस्सा जुटाया। इसमें मुख्य रूप से अतिव्यापी बैंक जमाओं के माध्यम से प्राप्त राशि शामिल थी। आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने और व्यापक आर्थिक स्थिरता कायम रखने के लिए नीतिगत स्तर पर पर्याप्त लचीलेपन और तेजी से निर्णय लेने की क्षमता की आवश्यकता होगी।

डिजिटल प्रशासन की पहल, 38 विभागों की 939 सेवाएं एक मंच पर

डॉ ओम डहरिया सहायक जनसंपर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ में सुशासन को सरल, पारदर्शी अ द्द २। आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं के लिए कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने की परेशानी से मुक्ति दिलाना और सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन की पहुंच में लाना है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से शासन और जनता के बीच की दूरी कम करने वाली यह व्यवस्था नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सेवा सेतु के माध्यम से प्रदेश में 38 विभागों की 939 सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सेवाओं के संचालन के लिए 16 हजार 773 सेवा केंद्रों का नेटवर्क तैयार किया गया है। अब तक सेवा सेतु में ऑनलाइन प्राप्त 55 लाख 13 हजार 672 आवेदनों पर कार्यवाही जारी है। इस व्यवस्था से 21 हजार 582 अधिकारी-कर्मचारी ऑनबोर्ड



होकर सेवाओं के संचालन में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ये आंकड़े प्रदेश में डिजिटल माध्यम से नागरिक सेवाओं को व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने के प्रयासों को दर्शाते हैं।

सेवा सेतु की प्रमुख विशेषता यह है कि नागरिकों को अनेक आवश्यक शासकीय सेवाओं के लिए एक ही मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन तथा गुमास्ता लाइसेंस सहित विभिन्न सेवाओं के लिए इस व्यवस्था के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता कम होती है और आवेदन प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनती जा रही है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले नागरिकों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है, जहां छोटी-छोटी शासकीय प्रक्रियाओं के लिए भी लोगों को

लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

सेवा सेतु का उद्देश्य केवल ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि शासकीय सेवाओं के वितरण को अधिक व्यवस्थित और जवाबदेही बनाना भी है। डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से आवेदनों की स्थिति पर नजर रखने, संबंधित अधिकारियों तक आवेदन पहुंचाने और सेवाओं के क्रियान्वयन को व्यवस्थित करने में सहायता मिलती है। इससे प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मजबूती मिलती है।

राज्य सरकार की यह पहल डिजिटल सुविधाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ-साथ तकनीक के उपयोग को जनहित से जोड़ती है। सेवा केंद्रों के माध्यम से उन नागरिकों को भी आवेदन करने में सहायता मिल सकती है, जिन्हें ऑनलाइन प्रक्रियाओं की जानकारी या मार्गदर्शन की आवश्यकता होती

है। इस प्रकार डिजिटल प्लेटफॉर्म और सेवा केंद्रों का समन्वय नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का प्रयास है कि सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। सेवा सेतु इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए शासन की प्रक्रियाओं को सरल बनाने, सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और प्रशासन को अधिक नागरिक-केंद्रित बनाने का माध्यम बन रहा है। सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, आवेदनों के समयबद्ध निराकरण और नागरिकों में डिजिटल सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने से इस पहल की उपयोगिता और अधिक मजबूत हो सकती है। इसका मूल उद्देश्य है कि सुशासन का लाभ प्रदेश के जन-जन तक पहुंचे और सरकारी सेवाओं को आम नागरिक के लिए सरल, सुलभ एवं पारदर्शी बनाया जाए।

राशिफल

मेघ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरातजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा।

कर्क राशि : आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा।

कन्या राशि : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

तुला राशि : आज आपको किसी अपने से कोई अजीब खबर मिलने के योग बने हुये हैं।

वृश्चिक राशि : आज का दिन जीवन में मील का पथर साबित होगा।

धनु राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए हर मायने में बढ़िया रहने वाला है। किसी किसी परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

सेक्टर-4 को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी में सेवानिवृत्त कमियों का सम्मान



नई दृष्टिबिंदु / भिसाई

भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले बीएसपी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी सेक्टर-4 के सदस्यों को सम्मान आत्मीय विदाई दी गई। इस विदाई समारोह में सोसाइटी के अध्यक्ष पूरन देवांगन ने सेवानिवृत्त हुए सदस्यों को सम्मानित किया और उन्हें उनके अंतिम भुगतान का चेक प्रदान किया। इस दौरान अध्यक्ष देवांगन ने कहा कि सोसाइटी की सेवाओं के प्रति हमारे सदस्यों की भावनाएं ही हमारे लिए सबसे बड़ा प्रमाण है। आयोजन में उपस्थित सदस्यों ने सोसाइटी के साथ अपने लंबे अनुभवों और कार्यप्रणाली की खुलकर प्रशंसा की।

समारोह के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए मशीन असेंबलिंग एंड रि-इंजीनियरिंग शांप-क विभाग से सेवानिवृत्त सुशील कुमार गेडम ने कहा कि चूंकि वे मशीन शांप-1 में कार्यरत थे और यह सोसाइटी मशीन शांप-1 की ही देन है, इसलिए सोसाइटी में आने पर ऐसा महसूस होता है जैसे वे अपने ही घर में आए हों। जल प्रबंधन विभाग से सेवानिवृत्त जी. चक्रधर ने कहा कि सेक्टर-4 सोसाइटी का परफॉर्मंस हमेशा से बहुत अच्छा रहा है। आमसभा हो, लाभांश वितरण हो या सोसाइटी से संबंधित कोई भी कार्य हो, सूचनाएं हमेशा समय पर मिलती हैं।

फाउंड्री एंड पेटर्न शांप से अविनाश कुमार खरालकर ने कहा कि सेक्टर-4 सोसाइटी से बेहतर कोई दूसरी सोसाइटी नहीं है। उन्होंने अपने कई मित्रों को भी इस सोसाइटी से जोड़ा था और यहां ऋण लेने के लिए कभी भी अतिरिक्त खर्च या भागदौड़ नहीं करनी पड़ती।

जनरल एस्टेब्लिशमेंट विभाग से सेवानिवृत्त लक्ष्मी चंद्र गुप्ता ने

कहा कि सीपीएफ लोन के बाद किसी भी अन्य कार्य के लिए उन्हें केवल सोसाइटी से ही ऋण के रूप में आर्थिक सहयोग मिला। वायर रॉड मिल से सेवानिवृत्त अनुपमा कुमारी ने बताया कि जनरल शिफ्ट की ड्यूटी के बाद वे अंतिम समय में सोसाइटी आती थीं और उनके सभी कार्य तुरंत हो जाते थे। रिफ्रेक्ट्री मटेरियल प्लांट-क विभाग से सेवानिवृत्त अशोक कुमार हिरवानी ने कहा कि पहले वेतन कम होने के कारण लोगों को ऋण की बहुत आवश्यकता पड़ती थी। ऐसे में सीपीएफ लोन के बाद केवल यही सोसाइटी एकमात्र सहारा बचती थी, जो हर सुख-दुख में हमेशा काम आई। इस आत्मीय विदाई समारोह में भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त होने वाले अन्य कर्मों भी शामिल रहे। इनमें मॉडिकल विभाग से जितेंद्र कुमार चावड़ा, स्टील मेल्टिंग शांप-2 से हेमचंद्र कुंरे, विजय भानु और शिव कुमार वर्मा, एआर शांप से एल. सुयनारायण, आरएमपी-कसे अशोक कुमार हिरवानी और एम. आदिनारायण, कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से राहुल सोनकाम्ले, रिसर्च एंड कंट्रोल लैब से ओम प्रकाश श्रीवास्तव, रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से रामधर, ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑगनराइजेशन से कोमल प्रसाद साहू, जल प्रबंधन विभाग से जी. चक्रधर, ब्लास्ट फर्नेस से उमाशंकर पैकरा, रिफ्रेक्ट्रीज मटेरियल प्लांट-3 से दीलत राम माको, मशीन असेंबलिंग एंड रि-इंजीनियरिंग शांप-कसे तोमन लाल वर्मा, कांति लाल सिन्हा और सुशील कुमार गेडम, एचआरडीसी से शिव राजन, वायर रॉड मिल से अनुपमा कुमारी, जनरल एस्टेब्लिशमेंट से लक्ष्मी चंद्र गुप्ता, टीएसडी से राजेश कुमार शर्मा और सिंटर प्लांट-3 से अर्जुन सिंह भेंड़या शामिल हैं।

पुरुषार्थ से ही मिलती है सिद्धि : अक्षय मुनि

सौ बात सुनो, पर जवाब एक शब्द में दो; चातुर्मास में 1919 संवर पूर्ण

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

समता भवन बालोद में आयोजित धर्मसभा में शासन दीपक श्री अक्षय मुनि जी मसा ने कहा कि नवकार मंत्र और पंच परमेष्ठी शाश्वत हैं। वे सदा थे, हैं और रहेंगे। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए भाग्य के भरोसे बैठने के बजाय पुरुषार्थ करना आवश्यक है। ज्ञानियों को भी पुरुषार्थ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। व्यक्ति को सदैव सत्कर्म करते रहना चाहिए और अपने आचरण में धर्म एवं मर्यादा को बनाए रखना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि जीवन में

एक सूत्र हमेशा याद रखना चाहिए—द्वसौ बात सुनो, पर जवाब एक शब्द में दो। ऋण समाज में सम्मान करने वाले भी मिलेंगे और तिरस्कार करने वाले भी, लेकिन हर परिस्थिति को सहज भाव से स्वीकार करना चाहिए। बदला लेने और दूसरे को नीचा दिखाने की भावना से मन को शांति नहीं मिलती। जीवन की आराधना सच्चे धर्म से होती है, दिखावे और गलत आचरण से नहीं। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन में हजारों काम हो सकते हैं, लेकिन दिन की शुरुआत संत दर्शन और अच्छे विचारों से होनी चाहिए। धर्म के प्रति दृढ़ रहना,

मर्यादा का पालन करना और बड़ों को प्रणाम करना व्यक्ति के अहंकार को कम करता है। सुख-दुख जीवन का हिस्सा है। कठिन समय में धैर्य रखना चाहिए और यह विचार करना चाहिए कि समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता। श्री अक्षय मुनि जी मसा ने कहा कि संसार में प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्मों के अनुसार आगे बढ़ता है। जीवन कब बदल जाए, इसका अनुमान लगाना कठिन है। इसलिए व्यक्ति को अहंकार छोड़कर सेवा, सद्भाव और विनम्रता को अपनाना चाहिए। मरीज की सेवा को भी

पुण्य का कार्य बताते हुए उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करने में कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। महाराणा प्रताप के संघर्ष का उल्लेख करते हुए मुनिश्री ने कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने धर्म और स्वाभिमान की रक्षा की। व्यक्ति को केवल अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए, बल्कि दूसरों के हित का भी ध्यान रखना चाहिए। आग लगने पर जिस तरह तत्काल उसे बुझाने का प्रयास किया जाता है, उसी तरह मन में उत्पन्न होने वाली बुरी इच्छाओं को भी समय रहते नियंत्रित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवन में चुनौतियाँ आती रहती हैं। ऐसे समय में घबराने के बजाय साहस और धैर्य से उनका सामना करना चाहिए। तनाव में जीवन बिताने के बजाय शांति और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जैन धर्म कर्म सिद्धांत पर आधारित है। व्यक्ति यदि धर्म की रक्षा करता है, तो धर्म भी उसके जीवन को सही दिशा प्रदान करता है। गिरना पराजय नहीं, उठने से इनकार करना पराजय मुनिश्री ने प्रेरक संदेश देते हुए कहा, पराजय उसकी नहीं जो गिर गया, पराजय उसकी है जिसने उठने

से इनकार कर दिया। उन्होंने श्रद्धालुओं को कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत बनाए रखने, धर्म के मार्ग पर चलने और अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने की प्रेरणा दी।

चातुर्मास में 1919 संवर पूर्ण

धर्मनगरी बालोद में चातुर्मास के दौरान 1919 संवर पूर्ण होने की जानकारी दी गई। जैन मुनि की प्रेरणा से त्याग और तपस्या की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हर्ष राखेवा ने 11, रमेश नाहटा ने 9 तथा संकेत ललवानी ने 5 उपवास की तपस्या का संकल्प लिया। धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं ने तपस्वियों के त्याग और साधना की सराहना की।

महाअष्टमी पर शीतला मंदिर में हवन पूजन में श्रद्धालुओं ने दी पूर्णाहुति

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

कसारीडीह सिविललाइन स्थित मां सतरूपा शीतला मंदिर में नवरात्र का पर्व पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। महाअष्टमी पर सोमवार को मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटे। शाम को महाअष्टमी पर हवन पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने हवन पूजन में पूर्णाहुति देकर मां शीतला से अपनी मनोकामना पूर्ण करने प्रार्थना की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि भी मंदिर पहुंचे। उन्होंने हवन पूजन में शामिल होकर लोगों की सुख समृद्धि एवं खुशहाली के लिए मां शीतला से कामना की। हवन पूजन उपरांत माता स्वरूप 21 कन्याओं को कन्या भोज कराया गया। तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। महाप्रसादी ग्रहण कर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ प्राप्त किया। नवरात्रि के अंतिम दिन 20 अक्टूबर को मंदिर समिति द्वारा दोपहर 2 बजे जोत जवारा की भव्य

विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए शीतला तालाब पहुंचेगी। जहां जोत जवारा का विसर्जन किया जाएगा। महाष्टमी पर सोमवार को सतरूपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू, उपाध्यक्ष शिवसागर सिन्हा, सचिव प्रदीप देशमुख, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र धर्माकर, सह-सचिव चंपा साहू, कायकारिणी सदस्य तामेश्वर यादव, पुष्पा श्रीवास, संरक्षक भीष्म साहू, कृष्णा देशमुख, गणेश निर्मलकर, राजा सिंह राजपूत, राजेंद्र सिंह चंदेल, नरेश कुटारे, ईश्वर अग्रवाल, भारतेंदु गौतम, संजय डहरवाल, विनोद चंद्राकर, गणेशराम चौधरी, तोरण साहू, अरुण साहू के अलावा सतरूपा शीतला सेवा समिति के अन्य सदस्य व श्रद्धालु व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।

शहर के 60 वार्डों और मुख्य मार्गों में 2-3 महीनों से बंद स्ट्रीट लाइटें

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमिटी दुर्ग के अध्यक्ष अलताफ अहमद के नेतृत्व उप नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र पटेल एवं पार्षद भास्कर कुंडले, श्रीमती मनीषा सोनी, ब्लॉक प्रभारी संजय बत्रा के विशेष उपस्थिति में आज नगर पालिक निगम दुर्ग की उपायुक्त को शहर के 60 वार्डों एवं मुख्य मार्गों में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल चालू कराए जाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया।

अलताफ अहमद ने बताया कि दुर्ग नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत कुल 60 वार्ड हैं। लगभग सभी वार्डों में विद्युत पोलों की स्ट्रीट लाइटें पिछले 2 से 3 महीनों से बंद पड़ी हुई हैं। वहीं शहर के कई मुख्य मार्गों एवं चौराहों की लाइटें भी बंद हैं, जैसे जेल चौक से महात्मा गांधी प्रतिमा तक, जेल चौक से महाराजा चौक मिनीमाता चौक पुलगांव तक, शहीद चौक से एफसीआई गोदाम तक, गंजपारा चौक से नयापारा चौक बघेरा तक के बहुत से खंभों की लाइटें बंद हैं।

उन्होंने कहा कि रात्रि में अंधेरा रहने के कारण आम नागरिकों, महिलाओं एवं बुजुर्गों को

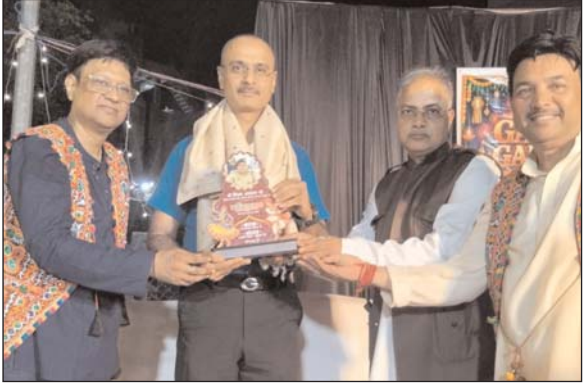
आवागमन में भारी परेशानी हो रही है तथा दुर्घटना एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों का भय बना रहता है। नागरिकों द्वारा कई बार मौखिक शिकायत करने के बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। दीपावली जैसा बड़ा त्योहार सामने है उसके पूर्व लाइटों को सुधारा जाना अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर अलताफ अहमद ने उपायुक्त महोदय से आग्रह किया कि जनहित को देखते हुए सभी 60 वार्डों एवं मुख्य सड़कों की बंद लाइटों का सर्वे कराकर उन्हें तत्काल चालू कराने का कष्ट रहे, ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रकाश सीमांकर, पूर्व पार्षद अशोक मेहरा, साईं मंदिर मंडल कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत तिवारी, चंडी मंदिर मंडल कांग्रेस के अध्यक्ष राजकुमार वर्मा, कल्याण सिंह ठाकुर, फिरोज खान, श्रीमती रानी देवांगन, ईश्वर साहू, गणेश सोनी, पूर्व एलडरमैन जगमोहन दीमर, शशिकांत तिवारी, बुजमोहन तिवारी, अनिल देशमुख, अख्तर चौहान, मनोज सिन्हा, यश बाकलीवाल, अमोल जैन प्रमुख थे।

पद्मनाभपुर में भव्यता के साथ संपन्न हुआ गरबी गरबा का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पद्मनाभपुर स्थित ओल्ड एलआईजी ग्राउंड में सोमवार को भव्य गरबी गरबा का आयोजन उत्साह और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। माता की आरती, सुमधुर भजनों, पारंपरिक गरबा और बंगाली-गुजराती संस्कृति के अनूठे संगम ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण पारंपरिक बंगाली धुनुची नृत्य रहा, जिसे अनिकल बिस्वास और टीम ने प्रस्तुत किया। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में कमांडेंट विवेक श्रीवास्तव, फ्रेटियर मुख्यालय, बीएसएफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन समिति ने उनका सम्मान किया। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. दीपक कोठारी और संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में समाजसेवा, शिक्षा, पुलिस सेवा और सैन्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों - डॉ. भावना दिवाकर, डॉ. संकल्प राय (रकसाइबर अपपध, दुर्ग), श्रीमती संध्या रितेश, कमर खान, डॉ. प्रीति बेहरा, मनीष शुक्ला (ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े पूर्व सेना हवलदार) सहित अन्य का सम्मान किया गया। आयोजन आवश्यक अनुमति और पुलिस बल की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।



मौजूद रहे। कार्यक्रम में समाजसेवा, शिक्षा, पुलिस सेवा और सैन्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों - डॉ. भावना दिवाकर, डॉ. संकल्प राय (रकसाइबर अपपध, दुर्ग), श्रीमती संध्या रितेश, कमर खान, डॉ. प्रीति बेहरा, मनीष शुक्ला (ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े पूर्व सेना हवलदार) सहित अन्य का सम्मान किया गया। आयोजन आवश्यक अनुमति और पुलिस बल की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

लर्न गीता अभियान में 50वें स्वर्णिम बैच का हुआ शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सनातन धर्म और श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान-जनन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित गीता परिवार दुर्ग क्षेत्र के गीता साधकों ने भी भारी उत्साह के साथ बड़ी संख्या में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। स्थानीय साधक और श्रद्धालु ऑनलाइन माध्यम से इस राष्ट्रीय उद्घाटन समारोह से जुड़े। लर्न गीता अभियान के इस 50वें स्वर्णिम बैच का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने किया। यह कार्यक्रम श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष एवं गीता परिवार के संस्थापक स्वामी गोविंद देवगिरि

महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस स्वर्णिम बैच के माध्यम से देशभर से एक लाख नए साधकों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत 19 अक्टूबर से नियमित ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत साधक अपनी सुविधानुसार 15 भाषाओं और 33 अलग-अलग समय विकल्पों के माध्यम से घर बैठे पूर्णतः निःशुल्क गीता का अध्ययन कर सकेंगे। इसके पूर्व, 50 वें बैच के उपलक्ष्य में 12 अक्टूबर को अखंड गीता पारायण का आयोजन भी किया गया था, जिसमें श्रीमद्भगवद्गीता के सभी 18 अध्यायों का 19 क्रमिक आवृतियों में शुद्ध संस्कृत में पारायण संपन्न हुआ। स्वामी गोविंद देवगिरि

महाराज द्वारा स्थापित 'गीता परिवार' लर्न गीता अभियान के जरिए वैश्विक स्तर पर श्रीमद्भगवद्गीता का निःशुल्क प्रचार-प्रसार कर रहा है। वर्तमान में दुनिया के 182 देशों से लगभग 17 लाख साधक इस अभियान से जुड़कर अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में श्लोकों का अध्ययन कर रहे हैं। संस्था द्वारा बच्चों और गर्भवती माताओं के लिए भी विशेष कक्षाओं का संचालन किया जाता है। भिलाई-दुर्ग के साधकों ने इस पहल की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस अभियान से जुड़कर गीता के निष्कासक मयोंग और जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

आयोजन साईं मंदिर के स्वर्ण जयंती वर्ष पर आयोजन, गायक कलाकार देंगे भजनों की प्रस्तुति साईं के दीवाने कार्यक्रम में सम्मानित होंगे व्यापारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कसारीडीह सिविल लाइन स्थित प्रसिद्ध श्री साईं बाबा मंदिर में स्वर्ण जयंती वर्ष (50वें वर्ष) के ऐतिहासिक अवसर पर 22 अक्टूबर, गुरुवार को रात 8 बजे ह्रस्व साईं के दीवाने कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सार्वजनिक श्री साईं महोत्सव समिति द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में श्री साईं बाबा के नाम पर अपने प्रतिष्ठानों और व्यवसायों का संचालन कर उनके विचारों, मानव सेवा तथा परोपकार के संदेशों का प्रचार-प्रसार करने वाले व्यवसायियों को सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह में 25 से अधिक व्यवसायियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के साथ भजन संख्या का भी आयोजन किया गया है जिसमें गायक धनंजय तिवारी एवं उनके साथी कलाकार साईं भजनों की सुमधुर प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर करेंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक राठी एवं चेंबर के



दुर्ग जिला अध्यक्ष अनूप टागट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सार्वजनिक श्री साईं महोत्सव समिति (साईं मंदिर) के अध्यक्ष धनंजय कांत चंदेल एवं सचिव धीरेंद्र शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि मंदिर समिति के लिए यह गौरव का विषय है कि शहर में अनेक व्यवसायी वर्षों से श्री साईं बाबा के नाम पर अपनी दुकानें एवं प्रतिष्ठान संचालित कर रहे हैं। इन प्रतिष्ठानों के माध्यम से श्री साईं का नाम जन-जन तक पहुंच रहा है। साथ ही बाबा के मानव सेवा, प्रेम, सद्भाव और परोपकार के संदेशों का भी व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। उन्होंने कहा कि श्री साईं बाबा के नाम से जुड़े इन व्यवसायियों का योगदान केवल व्यावसायिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे अपनी आस्था और कार्यों के माध्यम से समाज में सेवा एवं सद्भाव की भावना को भी आगे बढ़ा रहे हैं। उनके इसी अनुकरणीय योगदान को प्रोत्साहित करने और सम्मान देने के उद्देश्य से समिति ने यह विशेष पहल की है। समिति के अध्यक्ष धनंजय कांत चंदेल एवं सचिव धीरेंद्र शर्मा ने बताया कि श्री साईं मंदिर समिति का मुख्य उद्देश्य साईं बाबा के विचारों एवं शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाना तथा मानव सेवा से जुड़े कार्यों को गति देना है। समाज में सेवा, सहयोग, प्रेम और सद्भाव की भावना को मजबूत करने के लिए समिति निरंतर प्रयासरत है। मंदिर के स्वर्ण जयंती वर्ष में आयोजित ह्रस्व साईं के दीवाने सम्मान समारोह इसी उद्देश्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने शहरवासियों एवं समस्त साईं भक्तों से कार्यक्रम में शामिल होकर सम्मान समारोह और भजन संख्या का लाभ लेने की अपील की है।

शीतला मंदिर में जोत जंवारा विसर्जन शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कसारीडीह सिविललाइन स्थित मां सतरूपा शीतला मंदिर में नवरात्र का पर्व पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया गया। विजयादशमी पर मंगलवार को मंदिर समिति द्वारा जोत जंवारा की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महिलाएं एक रंग के वेशभूषा में शामिल हुए, जो आकर्षण का केन्द्र बना रहा, वहीं महिलाएं जस गीत की धुन में झूमते हुए अपनी श्रद्धा भक्ति प्रकट करते रहे। जिससे पूरे शोभायात्रा के दौरान श्रद्धा-भक्ति का अद्भुत माहौल बना। यह शोभायात्रा मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए शीतला तालाब पहुंची। जहां जोत जंवारा का विसर्जन किया गया। ज्योत जंवारा के दर्शन के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में उमड़े।



शोभायात्रा के समापन उपरांत महाभंडारा का आयोजन किया गया। महाभंडारा में प्रसादी ग्रहण कर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ प्राप्त किया। ज्योत जंवारा विसर्जन शोभायात्रा के दौरान सतरूपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू, उपाध्यक्ष शिवसागर सिन्हा, सचिव प्रदीप देशमुख, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र धर्माकर,

सह-सचिव चंपा साहू, कायकारिणी सदस्य तामेश्वर यादव, पुष्पा श्रीवास, गणेश निर्मलकर, राजा सिंह राजपूत, राजेश साहू, दीनानाथ निर्मलकर, धनेश सिंह राजपूत, राजेंद्र सिंह चंदेल, नरेश कुटारे, ईश्वर अग्रवाल, विनोद चंद्राकर, धनेन्द्र सिंह चंदेल, किशोर यादव शामिल थे।

बच्चा रहे हमेशा कॉन्फिडेंट इसके लिए उसे बोलना सिखाएं ये 5 स्ट्रोंग लाइंस

कभी खुद को नहीं समझा किसी से कम ऐसी कई पंक्तियां हैं जो अगर बच्चा रोजाना खुद से कहने लगेगा तो उसका आत्मविश्वास भी तेजी से बढ़ेगा. जानिए कौनसी हैं ये कॉन्फिडेंस बढ़ाने वाली बातें.

बहुत से बच्चे कम उम्र से ही कॉन्फिडेंट होते हैं. उन्हें किसी के सामने कुछ कहने या करके दिखाने में झिझक नहीं होती और ये बच्चे जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं. लेकिन, इस कॉन्फिडेंस की वजह क्या होती है? इस कॉन्फिडेंस की वजह होती है बच्चे का खुद पर विश्वास करना. यह विश्वास बच्चों में अपने अंतर्मन में कहीं बातों से भी आता है तो कई बार माता-पिता की बातें बच्चों को आत्मविश्वासी बनाती हैं. अपने बच्चों को कॉन्फिडेंट बनाने के लिए आप भी उन्हें ऐसी पॉजिटिव बातें बोलना सिखा सकते हैं जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने लगे. खुद से ये स्ट्रोंग लाइंस

बोलकर ना सिर्फ बच्चों का कॉन्फिडेंस बढ़ेगा बल्कि किसी भी मुश्किल घड़ी से निकलने का हौसला भी उनमें आएगा.

फ्रमैं जैसा हूं, वैसा ही प्यार के काबिल हूँफ्र बच्चे का सेल्फ कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए उसे यह पंक्ति सिखाई जा सकती है. बच्चों को समझाएं कि वे जैसे हैं वैसा ही मूल्यवान हैं और प्यार के काबिल हैं. अपनी सेल्फ वर्थ समझने के लिए उन्हें किसी की वेलिडेशन या रजामंदी की जरूरत नहीं है.

फ्रमैं परेशानी का हल ढूँढ सकता हूँफ्र किसी भी मुश्किल से निकलने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है खुद पर विश्वास करना. माता-पिता को अपने बच्चे को यह बोलना जरूर सिखाना चाहिए कि वह किसी भी परेशानी का हल ढूँढ सकता है. जब कोई मुश्किल आए तो बच्चे को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि मैं किसी भी

परेशानी का हल ढूँढ सकता हूँ. बच्चे का आत्मविश्वास) बढ़ने लगेगा.

फ्रमैं बहादुर हूँ और मुझे हार नहीं माननी हैफ्र किसी परिस्थिति से पार पाने के लिए और हमेशा अपना बेस्ट देते रहने के लिए बच्चे को यह पंक्ति खुद से जरूर कहनी चाहिए. इससे बच्चे में कॉन्फिडेंस आता है. इससे बच्चा हार मानने के बजाय आगे बढ़ता जाता है.

फ्रमेरे विचार मैटर करते हैंफ्र कई बार बच्चे किसी काम को इसलिए नहीं करते या फिर किसी के सामने अपनी बात रखने से झिझकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी बात का कोई मूल्य नहीं है. लेकिन, बच्चे को यह समझाना और यह कहना सिखाना जरूरी है कि उसके विचार मैटर करते हैं. जब बच्चे खुद से यह कहने लगते हैं तो आत्मविश्वास के साथ अपनी बात को आगे रखना भी शुरू कर देते हैं.



फ्रमैं नई चीजें सीख सकता हूँफ्र बच्चों को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि वह नई चीजें सीख सकते हैं. इससे बच्चे किसी काम

को सीखने (स्ट्रड्डहड्डहड्ड) से घबराते नहीं हैं. बच्चों में इस पंक्ति को कहने पर नई चीजें सीखने का कॉन्फिडेंस आता है.

क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग, टीनेजर्स की परवरिश में आजमा सकते हैं यह यूनिक तरीका

आप टीनेजर बच्चों के माता-पिता हैं तो आपने पैरेंटिंग के अलग-अलग तरीकों के बारे में तो सुना ही होगा. लेकिन, क्या आप लाइटहाउस पैरेंटिंग के बारे में जानते हैं? यहां जानिए लाइटहाउस पैरेंटिंग क्या होती है और टीनेजर्स की परवरिश में कैसे काम आती है.

परवरिश के अलग-अलग तरीकों में से ही एक है लाइटहाउस पैरेंटिंग. असल में लाइटहाउस पैरेंटिंग एक तरह की बैलेंस्ड पैरेंटिंग अप्रोच है जिसमें बच्चों को प्यार, सपोर्ट और गाइडेंस दी जाती है लेकिन साथ-साथ बाउंडरीज मेंटेन करना भी जरूरी होता है. इस पैरेंटिंग स्टाइल में माता-पिता बच्चे को एक सुरक्षित वातावरण देते हैं जिसमें बच्चे खुद को बेहतर तरह से एक्सप्रेस कर सकते हैं. इसमें बच्चे माता-पिता से अपने मन की बातें बिना डरे कह पाते हैं. यहां जानिए क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग और इसे कैसे आजमाया जा सकता है.

बनाएं विलयर नियम लाइटहाउस पैरेंटिंग में आपको विलयर रूल्स बनाने होते हैं. आपको नियम बनाकर यह सुनिश्चित करना होता है कि बच्चे इन्हें गंभीरता से फॉलो करें. वहीं, स्पष्ट होना भी जरूरी है, जैसे अगर आप चाहते हैं कि बच्चा अपना फोन इस्तेमाल ना करे तो सीधे तौर पर उसे कहें कि फोन इस्तेमाल ना करे. तानों के जरिए बात कहने की कोशिश ना करें.

कमजोरियों पर ना करें निंदा अगर बच्चे की कोई कमजोरी है तो उसकी सीधे तौर पर निंदा ना करें बल्कि समझें और उसे भी समझाएं कि कमजोरियों से सीखने की जरूरत होती है. चाहे गलती हो या फिर कोई कमी, इसे पूरा करने पर ध्यान दें ना कि बच्चे की निंदा करके उसका मनोबल कमजोर करें.

कोशिश के दें पूरे नंबर किशोरावस्था ऐसी उम्र है जिसमें बच्चे अलग-अलग कामों को सीखने की कोशिश करते रहते हैं और अक्सर एक्सपेरिमेंट्स करते हैं. ऐसे में अगर बच्चे किसी काम में बुरे भी निकलते हैं और कभी-कभी उन्हें हार का मुंह भी देखना पड़ता है. ऐसे में बच्चे को उसकी कोशिश और एफर्ट्स के पूरे नंबर दें. रिजल्ट क्या निकला या क्या नहीं इससे ज्यादा जरूरी है बच्चे का हौसला बढ़ाना.

बहुत ज्यादा कठोरता ना अपनाना इस पैरेंटिंग स्टाइल में इस बात का ध्यान रखा जाता है कि माता-पिता बच्चे के साथ बहुत ज्यादा कठोरता नहीं बरत रहे हैं. इस उम्र में बच्चे से बहुत ज्यादा कठोर व्यवहार किया जाए तो बच्चों में एक तरह का डर गहराने लगता है जिससे वे अपनी परेशानियां तक पैरेंट्स से कहने से डरने लगते हैं.



हमेशा डांट-डंपटकर बच्चे को ना बनाएं दब्बू

इन तरीकों से बढ़ाएं बच्चे का कॉन्फिडेंस

अगर आपको भी अपने बच्चे में कॉन्फिडेंस की कमी नजर आती है तो यहां जानिए किस तरह उसमें आत्मविश्वास लाया जा सकता है. इस तरह बच्चे जीवन में कभी भी और किसी से भी पीछे नहीं रहते हैं.

माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहें, कक्षा में सबसे अच्छा प्रदर्शन दिखाएं, दोस्तों के बीच पॉपुलर रहें और कभी उन्हें किसी से कमतर महसूस ना हो. ऐसे में पैरेंट्स बच्चों को अक्सर अनुशासित करने के लिए डांट-डंपट भी देते हैं. लेकिन, इस सख्ती से होता यह है कि बच्चे का कॉन्फिडेंस कम होने लगता है और वह झंपने लगता है. ऐसे में बच्चे की परवरिश में यह गलती आप बिल्कुल भी ना करें बल्कि उसे वो काम सिखाएं या इस तरह

उससे बर्ताव करें जिससे वह आत्मविश्वासी बने और किसी मुश्किल से कभी घबराए नहीं.

किसी काम को करने का सिखाएं सही तरीका अक्सर ही बच्चों में कॉन्फिडेंस की कमी इसलिए देखी जाती है क्योंकि उन्हें कोई काम सही तरह करने में दिक्कत होती है या फिर वे इस काम को सही तरह से करना नहीं जानते जिसकी वजह से उनकी खिल्ली उड़ाई जाती है. ऐसे में आप बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उसे इन कामों को सही तरह से करना सिखा सकते हैं. इससे अपने यार-दोस्तों के सामने भी बच्चे का कॉन्फिडेंस बना रहता है.

बच्चे के विचारों को दबाएं नहीं - पैरेंट्स एक आम गलती यह कर देते हैं कि जब बच्चा अपने विचार उनके सामने रखता है तो वे उसकी बातों पर ध्यान नहीं देते. कई बार तो यह भी होता है कि बच्चा अगर थोड़ा भी खुलकर व्यवहार करता है तो पैरेंट्स उसे यह कहकर चुप करवा देते हैं कि इतराओ मत. ऐसे में बच्चे अपने

आपको एक्सप्रेस करने से कतराने लगते हैं. करें बच्चे की सराहना - बच्चा किसी चीज में बुरा होगा तो ऐसे भी बहुत से काम होंगे जिसमें वह सबसे अच्छा होगा या फिर जिन कामों को वह अच्छी तरह कर सकता है. इसीलिए बच्चे की सराहना करना जरूरी है. बच्चे को इससे कॉन्फिडेंस मिलता है और वह खुद को बेहतर करने की तरफ अग्रसर होता है.

घर पर ही करवाएं कॉन्फिडेंस बढ़ाने वाली एक्टिविटीज - आप बच्चे को घर में ही अपने मन की बात कहने के लिए, सबके सामने कुछ गाकर सुनाने या डांस करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं. बच्चे को जो कुछ अच्छा लगता है वह सभी के सामने करके दिखाने में कॉन्फिडेंस है या नहीं उससे पूछें. धीरे-धीरे बच्चे अगर घर के सदस्यों के सामने बोलना या अपनी खुबियां दिखाना शुरू करते हैं तो बाहरी लोगों के सामने भी उन्हें कॉन्फिडेंट महसूस होने लगता है.

इन 5 वजहों से माता-पिता की बात नहीं सुनते हैं बच्चे, समय रहते ध्यान देना है जरूरी

अक्सर ही बच्चे माता-पिता की बात को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं. ऐसे में पैरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि बच्चे के इस तरह बर्ताव करने की क्या वजह हो सकती है.

बच्चों की परवरिश करना कोई आसान काम नहीं होता है. पैरेंट्स बच्चों के बड़े होने तक खुद भी जीवन से जुड़ी अनेक नई बातें सीखते हैं और लगातार सीखते जाते हैं. लेकिन, इस पूरे सफर में पैरेंट्स ऐसी गलतियां भी करते हैं जिससे बच्चे की परवरिश पर असर पड़ता है. कई बार माता-पिता को यह देखकर हेरानी होती है कि बच्चे उनकी बात नहीं सुन रहे हैं या बात को सुनकर नजरअंदाज कर देते हैं. ऐसे में कई बार पैरेंट्स को यह समझने में दिक्कत होती है कि बच्चों के इस बर्ताव की क्या वजह है. अगर आप भी बच्चों के इसी व्यवहार से परेशान हैं तो यहां जानिए किन वजहों से

बच्चे माता-पिता की बात को अनसुना करने लगते हैं.

जरूरत से ज्यादा सख्ती अगर माता-पिता बच्चे पर जरूरत से ज्यादा सख्ती करने लगते हैं तो बच्चे उनकी बात सुनना बंद कर देते हैं. बच्चों को लगने लगता है कि पैरेंट्स की सख्ती से बचने का तरीका है उनकी बात ना मानना और आखिर में किसी भी बात को सुनने से इंकार कर देना. ऐसा बच्चे ज्यादातर पैरेंट्स से बदला लेने के लिए करते हैं.

हमेशा चिल्लाकर बात करना पैरेंट्स अगर बच्चे पर हर समय ही चिल्लाते रहते हैं और उससे किसी भी काम को करने के लिए चिल्लाकर ही बात करते हैं तो इससे बच्चा घबरा जाता है. बच्चे को लगता है कि चुप रहकर और बातों को अनसुना करके

ही खुद को प्रोटेक्ट कर सकते हैं.

बहुत ज्यादा नियम बच्चों पर अलग-अलग और ढेर सारे नियम थोप दिए जाने पर भी उन्हें अच्छा नहीं लगता है. बच्चे इन नियमों से तंग आकर पैरेंट्स की एक भी बात सुनना पसंद नहीं करते हैं और सोचते हैं कि इन नियमों के जवाब में अब वे हर काम को और हर बात को अनसुना कर देंगे.

अटेंशन के लिए भी करते हैं कई बार बच्चे माता-पिता की बात इसलिए नहीं सुनते क्योंकि उन्हें अटेंशन चाहिए होता है. माता-पिता बच्चे पर ध्यान दें और उसके इस व्यवहार के लिए उससे आकर सवाल-जवाब करें इसीलिए बच्चे पैरेंट्स की बात नहीं सुनते, उन्हें इग्नोर करते हैं और उनसे उखड़ा-उखड़ा रवैया अपनाने लगते हैं.



बच्चे को होता है सेल्फ डाउट और खुद को समझता है सबसे कमतर

तो पैरेंट्स इन 4 तरीकों से बढ़ाएं उसका कॉन्फिडेंस

आपका बच्चा अगर खुद पर विश्वास नहीं करता है और सेल्फ डाउट से घिरा रहता है तो यहां जानिए किस तरह उसका आत्मविश्वास बढ़ाया जा सकता है.

माता-पिता को अक्सर लगता है कि बच्चों को जीवन में किसी तरह की परेशानी नहीं होती या फिर बच्चों पर कोई जिम्मेदारी नहीं होती इसीलिए उन्हें हर स्थिति में खुश रहना चाहिए. लेकिन, ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनसे बच्चे अकेले गुजरते रहते हैं. बच्चे खुद की तुलना दूसरे बच्चों से करने लगते हैं, हर किसी की डांट सुनकर खुद को सबसे कम समझने लगते हैं, उनपर अच्छी परफॉर्मेंस का प्रेशर होता है तो साथ ही उनकी भावनाएं कई बार माता-पिता या दोस्त कोई नहीं समझ पाता जिससे बच्चे खुद को अकेला महसूस करते हैं. इसके अलावा, अक्सर ही बच्चे सेल्फ डाउट में पड़ जाते हैं और अपना आत्मविश्वास खो देते हैं. ऐसे में माता-पिता बच्चे को समझते हुए उसे इस दुविधा से निकालने की कोशिश कर सकते हैं. अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा सेल्फ डाउट में रहता है, कॉन्फिडेंट फील नहीं करता और खुद को दूसरे बच्चों से कम समझता है तो यहां जानिए किस तरह बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद की जा सकती है.

नकारात्मक बातों को दूर करना सिखाएं बच्चे कई बार नकारात्मक और सकारात्मक बातों में अंतर करना नहीं जानते और इसीलिए कुछ बुरा भी हो तो उसे अपने अंदर दबाए रखते हैं. यही नकारात्मक बातें बच्चों को अंदर ही अंदर खाने लगती हैं. ऐसे में बच्चों को सिखाएं कि किस तरह नकारात्मक बातों को पहचानकर उनसे दूरी बनाई जा सकती है. नकारात्मक भावनाओं को दूर करके ही सेल्फ डाउट से छुटकारा पाया जा सकता है.

स्ट्रेथ पर फोकस करना बच्चे को उसकी स्ट्रेथ पर फोकस करना सिखाएं. जिन कामों में बच्चा अच्छा है उन कामों में खुद को वह और कैसे बेहतर बनाए और किस तरह अपनी सफलताओं से कॉन्फिडेंट महसूस करे यह उसे बताएं. इससे आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है, साथ ही बच्चों में सकारात्मक विचारों का संचार होता है.

हार लेकर ना बैठना बच्चा अगर अपनी गलतियों या हार के बोझ तले बैठ रहा हो तो यकीनन इससे उसका आत्मविश्वास कम होगा. ऐसे में बच्चे को सिखाएं कि जीवन में जीत और हार लगे रहते हैं, लेकिन हार को लेकर बैठना और खुद को हारा हुआ महसूस करना सही नहीं है. हार से सीखना और आगे बढ़ते रहना जरूरी होता है.

आत्मनिर्भर होना अगर बच्चे को लगता है कि वह कोई भी काम खुद से नहीं कर सकता या फिर उसे हर काम को करने के लिए किसी की जरूरत है, तो यह उसकी लो सेल्फ एस्टीम को दर्शाता है. ऐसे में पैरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे कम उम्र से ही बच्चे को आत्मनिर्भर होना सिखाएं. कम से कम छोटे-मोटे काम और जिम्मेदारियां बच्चा खुद उठाने लगे जिससे उसके सेल्फ कॉन्फिडेंस में वृद्धि हो.



थोड़ी-सी देखभाल से बनी रहेगी त्वचा की रौनक

दिन भर में 8 से 10 गिलास पानी पिएं। पेट साफ रखें। रेशेदार फल सब्जियां खाएं। हरी सब्जियां, दूध और दूध से बने उत्पाद खाएं। 7 से 8 घंटे की नींद लें। प्रातः ताजी हवा में सैर करें। हो सके तो प्राणायाम भी करें।



अगर हम अपनी त्वचा की सही देख रख नहीं करेंगे तो त्वचा धीरे-धीरे निस्तेज, ढीली, दागदार, झुर्रियां से भरपूर होती जाएगी और हम अपनी उम्र से कहीं बड़े लगने लगेंगे। प्राकृतिक त्वचा, तैलीय, खुश्क और मिश्रित त्वचा आदि सभी की देखभाल अलग-अलग तरह से की जानी चाहिए।

प्राकृतिक त्वचा वो होती है जो दाग धब्बों, मुँहासों से रहित, साफ-सुंदर, स्वस्थ, मुलायम, चमकदार होती है। यह ताजगी से भरपूर होती है। तैलीय त्वचा चिकनी और चमकदार होती है पर रोमछिद्र ऐसी त्वचा में थोड़े-बड़े होते हैं और ब्लैक हेड्स इस त्वचा पर होते हैं। इन पर मुँहासे से शीघ्र हमला कर देते हैं। सही अर्थों में इस प्रकार की त्वचा वालों को मुँहासों की समस्या से अधिक परेशान होना पड़ता है।

■ खुश्क त्वचा बहुत पतली और पारदर्शी होती है। इसकी ऊपरी परत खुश्क और पतली होने के कारण अक्सर जल्दी से झड़ जाती है और त्वचा में खिंचाव बना रहता है। इस त्वचा पर झुर्रियां और छेलापन का प्रभाव जल्दी आता है जिससे इंसान अपनी उम्र से बड़ा दिखता है। मिश्रित त्वचा वालों को अधिक सावधान रहना होता है, क्योंकि वह लापरवाही के कारण त्वचा पर कम ध्यान देते हैं।

■ अगर आपकी प्राकृतिक त्वचा है तो गर्मियों में स्किन टॉनिक का प्रयोग करें और सर्दियों में माइश्चराइजर का प्रयोग अवश्य करें। इससे आपकी त्वचा कीनमी कम नहीं होगी और आप मुझाई सी नजर नहीं आएंगी।

■ तैलीय त्वचा के रोमछिद्रों से तेल को निकालता सा प्रतीत होता है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार गुनगुने पानी से चेहरा धोएं। हाँ, साबुन के लिए मैडिकेटिड साबुन का ही प्रयोग करें। मेकअप कम

से कम करें। मिश्रित त्वचा की देखभाल तैलीय त्वचा अनुसार करनी पड़ती है। दिन भर में 8 से 10 गिलास पानी पिएं। पेट साफ रखें। रेशेदार फल सब्जियां खाएं। हरी सब्जियां, दूध और दूध से बने उत्पाद खाएं। 7 से 8 घंटे की नींद लें। प्रातः ताजी हवा में सैर करें। हो सके तो प्राणायाम भी करें।

■ एक केलें को मेश करके उसमें थोड़ा सा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें और उस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं तथा 15-20 मिनट बाद धो लें। चेहरा एकदम साफ और स्किन मुलायम हो जाएगी। इससे आपकी त्वचा चमकदार बनी रहेगी। यदि आपकी त्वचा टाइट नहीं है तो एक अंडे की जर्दी में थोड़ा सा शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 5 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। स्किन टाइट रखने का यह बेहतरीन फंडा है।

■ मेथी को साफ करके पीसकर उसका पेस्ट चेहरे पर लगाएं। इससे आपको मुँहासे, ब्लैक हेड्स और त्वचा के सूखपन से राहत मिलेगी। झुर्रियां दूर करने के लिए एक चम्मच मुलतानी मिट्टी में, थोड़ी सी हल्दी, गुलाबजल, शहद व क चा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें व इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 15-20 मिनट तक इसे सूखने दें।

■ ध्यान रहे कि जब चेहरे पर पैक लगा हो तो किसी से बात न करें अन्यथा झुर्रियां कम होने की बजाय बढ़ जाएंगी। सूखने पर पानी से धो लें।

■ पपीते के गूदे को या टुकड़ों को चेहरे पर 15-20 मिनट तक मलें। फिर धो लें। चेहरा साफ, दागरहित और जवां नजर आएगा।

नेल्स की उम्र हो जाएगी लंबी



नेलपॉलिश लगाने से पहले इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि नाखून ढंग से कट हों, सही शेप में और मजबूत हों। इसके साथ ही सही तरीके से लगा नेल पेंट नाखूनों को खूबसूरत बनाने में बड़ी भूमिका निभाता है। इसलिए नेल पेंट लगाने समय हमें कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए।

■ नेल पेंट लगाने से पहले और बाद में बेस और टॉप कोट अवश्य लगाएं। ऐसा करने से नेल पेंट नाखूनों पर लंबे समय तक टिका रहेगा।

■ नेल पॉलिश का दूसरा कोट लगाने से पहले शुरुआती कोट अच्छे से सूखने दें।

■ नेल पॉलिश को पहले नाखूनों के बीच में लगाएं फिर आसपास के हिस्से पर लगाएं।

■ स्किन टोन के हिसाब से नेल पॉलिश का चुनाव करना चाहिए। ऐसा करने से नेल पॉलिश अधिक खिलती है।

■ लाइट स्किन टोन पर हल्के रंग की नेल पॉलिश ज्यादा खिलती है और डार्क स्किन टोन पर गहरे रंग की नेल पॉलिश ज्यादा अच्छी लगती है।

■ नेल पॉलिश लगाने से पहले अगर वह त्वचा पर लग जाती है तो ईयर बड पर नेल पॉलिश रिमूवर लगाएं और उसकी सहायता से रिमूव करें।

■ नेल पॉलिश को जल्दी सुखाने के लिए उसे लगाने के बाद अंगुलियों को कुछ देर के लिए बर्फ वाले पानी में डुबोएं रखें। इससे नेल पॉलिश जल्दी सुख जाएगी।

■ जल्दी सुखने वाली नेल पेंट्स का इस्तेमाल न करें। उनमें ज्यादा रसायन होने के चलते आपके नाखून खराब भी हो सकते हैं।

■ हमेशा नेल पेंट लगाकर न रोंखें। इससे नाखून पीले पड़ सकते हैं।

■ रात को सोते समय नाखूनों पर जैतून के तेल से पांच मिनट मसाज जरूर करें। ऐसा करने से नाखून मजबूत बनेंगे और उनकी ग्रोथ भी अच्छी होगी।

■ नेल पॉलिश के दो कोट से ज्यादा नहीं लगाया चाहिए। ऐसा करने से नेल पॉलिश जल्दी उतर जाती है।

■ जैल नेल्स और आर्टिफिशियल नेल्स टोन पर गहरे रंग को नेल पॉलिश ज्यादा अच्छी लगती है।



सर्दी के मौसम के बाद घर को करें डिटॉक्स

सर्दी के दिनों में घर को गर्म रखने के लिए रात दिन घर के दरवाजे, खिड़की बंद रखने से घर में साफ और स्वच्छ वायु का आवागमन नहीं हो पाता। घर तो गर्म रहता है लेकिन घर की वायु जहरीली होने से घर के भीतर का प्रदूषण बढ़ जाता है। बाहरी प्रदूषण को कम करना हमारे बस में नहीं होता लेकिन सर्दियों के बाद घर को डिटॉक्स किया जा सकता है और इससे प्रदूषण कम हो सकता है।

■ **रसोई** : रसोई में खाना पकाने से धुएँ और घुटन से घर की हवा में कार्बनमोनोक्साइड का स्तर बढ़ने से थकान, सिरदर्द, उल्टी, आलसपन जैसी समस्या हो सकती है। क्लीनिंग प्रोडक्ट्स में मौजूद खतरनाक केमिकल हाथ, नाक और गले में खराश पैदा करते हैं। घर की हवा को शुद्ध बनाने वाले एयरफ़िल्टर फेफड़ों को नुकसान पहुँचाते हैं। रसोई की सिंक को बोरोक्स पाउडर और नींबू के रस से साफ करें। स्टील की सिंक के लिए सूखे आटे का इस्तेमाल करें। रसोई की बंद नाली में एक कप नमक, एक कप बैकिंग सोडा डालकर वहाँ उबलता पानी डालें और साफ करें। किचन की वायु को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए गैस के बर्नर की साफ सफाई जरूरी है। बर्नर से निकले वाली पीली रोशनी का मतलब है उससे ज्यादा कार्बनडाइऑक्साइड का निकलना। इसके लिए बर्नर को हटाकर दोबारा लाकना चाहिए। बर्नर अगर गंदा है तो उसे साबुन मिले पानी से निकालकर साफ करें। किचन में लगे एर्रॉस्ट फैन पर जमी धूल मिट्टी और चिकनाई से भी प्रदूषण होता है। एर्रॉस्ट फैन के फिल्टर को खोलकर पानी से साफ करें। उसके पंखों को गीले कपड़े से रगड़ें। किचन की सफाई के लिए केमिकल युक्त क्लीनिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कम से कम करें। करना ही हो तो खुले स्थान पर करें ताकि भीतर की वायु प्रदूषित न हो। संभव हो तो इको फ्रेंडली प्रोडक्ट्स चुनें।

■ **बाथरूम और बेसमेंट** : घर में बाथरूम और बेसमेंट ऐसे स्थान हैं जहाँ नमी के कारण फंगस हो सकती है। बाथरूम की दीवारों में सीलन से फंगस और दीमक फैलती है। इससे सिरदर्द, कफ, आँख और गले में जलन होती है। बाथरूम की टायल्स के दाग धब्बों को हाइड्रोजन पेरॉक्साइड से साफ करें। बाथरूम के शावर के बंद छेदों को खोलने के लिए सफेद सिरके में थोड़ी देर मिमिकर रखने के बाद इसे सूखे कपड़े से साफ करें। बाथरूम की दीवारों की नमी हटाने के लिए चौथाई कप क्लोरीन में छह कप पानी डालकर इससे साफ करें। बाथरूम के रबर के



मैट्स को इसी सैल्यूशन से धोकर उन्हें धूप में सुखाएं। प्लास्टिक के पर्दे को भी साबुन से धोकर उन्हें धूप में रखें। बाथरूम को टॉक्सिस प्रो बनाने के लिए एर्रॉस्ट फैन को अच्छी तरह साफ करें। घर के बेसमेंट में हवा और रोशनी के न होने से यहां भी फंगस और दीमक होने का खतरा रहता है। बेसमेंट की दीवारों, फर्श और खिड़कियों को क्लोरीन और सादे पानी से साफ करें। बेसमेंट की दीवारों में पेंट कराते समय उसमें दीमकरोधी दवाई डालें।

■ **लिविंग रूम व बेडरूम** : लिविंग रूम और बेडरूम में रखे सामान और फर्नीचर की धूल मिट्टी को साफ करें। एयरकंडीशनर के फिल्टर में जमी गंदगी कई तरह के प्रदूषक तत्वों का घर हो सकती है। उसकी फिल्टर को हटाकर साफ करें। एयरकंडीशनर की सर्विस करवाकर उसे आने वाले दिनों के लिए तैयार करें।

■ **फर्नीचर** : डबल बेड, सोफा, कुर्सियाँ और घर के दूसरे फर्नीचर की धूल मिट्टी को वैक्यूम क्लीनर से साफ करें। घर के पिछे यदि वॉशबल है तो इन्हें धोएं और धोकर धूप में सुखाएं। मैटर्जिस को वैक्यूम करें। इनमें यदि बदबू आ रही हो तो एल्कोहल के एक कप में गर्म पानी मिलाकर इससे साफ करें। इसके बाद सादे पानी से साफ करें। बिल्डिंग मैटीरियल से पैदा होने वाली गंधहीन, रंगहीन गैसें भी घर को प्रदूषित करती हैं। इनसे डिटॉक्सिफाई करने के लिए घर की नियमित रंगाई, पुताई कराएँ।

■ **दीवारें** : दीवारों पर लग दाग धब्बे, बाथरूम, किचन की बंद नालियाँ, गंदी टोटियाँ भी प्रदूषण बढ़ाती हैं। घर को डिटॉक्स करना आसान है वृशतें आपका इरादा मजबूत हो। दीवारों पर क्रेओन से बनी लकीरों को साफ करने के लिए ब्लॉक ड्रायर से इन पर पांच से दस मिनट प्रेशर बनाने के बाद उस जगह को सूखे तैलिय से साफ करें।

दिल से निभाएं रिश्ते

रिश्ते बनाना आसान है किंतु उन्हें निभाना और लंबे समय तक दिल को छू लेने वाला बनाए रखना बड़ा कठिन है। रिश्तों में तुलना करना बेमानी है, क्योंकि हर रिश्ता ही अपने-आप में विशेषता वाला होता है। रिश्ता कोई भी हो, सम्पूर्ण उसे मजबूती से बनाए रखता है। आज रिश्तों के टूटने की प्रमुख वजह है सम्पूर्ण की भावना में कमी। रिश्ते बनाने के बाद हम यह तो बहुत चाहते हैं कि सब कुछ हमें मिले मगर खोने के लिए हम तैयार नहीं होते जबकि संबंधों की खुशहाली के लिए यह जरूरी है।

■ **छोटों को भी सम्मान दें**: रिश्तों की ताजगी के लिए यह बहुत आवश्यक कदम है कि अपने को हमेशा बड़ा ही बनाकर न रखा जाए बल्कि उम्र में अपने से छोटों को भी पूरा सम्मान दिया जाए। जब भी संबंधों में दूरियाँ पैदा होने लगें तो अपना नजरिया एवं व्यवहार परखें, क्योंकि किसी को अपमानित करने और उपेक्षित करने से दूर ही आती है।

■ **मेलजोल बनाए रखें**: कोई भी रिश्ता बिना मेलमिलाप के लम्बे वक़्त तक पनप नहीं सकता। आपका अपने रिश्तेदारों और परिचितों से निरंतर मेलजोल बड़ा जरूरी है। जिससे आप निरंतर मिलते हैं या फोन पर बातचीत होती रहती है, वह तो आपके नजदीक होते ही हैं पर जो आपसे दूर या दूसरे शहर में रहते हैं, उनसे निभाए रखने में, हालचाल पता करने के लिए लिखी चिट्ठियाँ, किसी के हाथ भिजवाया सदेशा और फोन पर हुई बातचीत बड़ी खास होती है।

■ **दखलअंदाजी न करें**: हर व्यक्ति की अपनी एक निजी जिंदगी होती है, इसलिए संबंधों को ऊर्जामय बनाए रखने के लिए यह बहुत आवश्यक है कि सबको अपने अंदाज के मुताबिक ही जीने दिया जाए यानी रिश्तों में बंधे होने के बाद भी किसी की निजता में दखलअंदाजी न की जाए।

■ **रिश्ते के प्रति ईमानदार रहें**: अगर आपमें रिश्ते के प्रति गंभीरता नहीं है तो यह कहना कतई गलत नहीं होगा कि आप संबंधों का मजाक बना रहे हैं। आप सामने वाले से सच बोलने की अपेक्षा करते हैं तो स्वयं भी ईमानदारी बरतें। जब तक आप खुद ईमानदार नहीं बनेंगे, तब तक रिश्ते से भी भावनाओं की खुशबू नहीं आएगी। ध्यान रखें कि किसी से दोबारा मिलने की इच्छा तब ही हो सकती है, जबकि वह अपने स्वभाव से हमें ईमानदार महसूस हो।

जब राजा विक्रमादित्य ने एक बार फिर बेताल को पकड़ा, तो उसने हर बार की तरह एक नई कहानी शुरू कर दी। बेताल ने कहानी सुनाते हुए राजा विक्रमादित्य से कहा- कुसुमपुर नाम के एक नगर में एक ब्राह्मण परिवार रहा करता था। ब्राह्मण के परिवार में चार बेटे और उसकी पत्नी थी। ब्राह्मण अपने परिवार के साथ सुखी-सुखी जीवन बिता रहा था। एक दिन अचानक ब्राह्मण बीमार हो गया और उसकी हालत दिन-ब-दिन खराब होती चली गई। सेहत में सुधार न होने के कारण एक दिन ब्राह्मण की मौत हो गई। ब्राह्मण की मौत के दुख में उसकी पत्नी भी सती हो गई। ब्राह्मण और उसकी पत्नी की मौत के बाद उनके रिश्तेदारों ने चार लड़कों को अकेला देख उनका सारा धन छीन लिया। पूरी तरह से कंगाल होने पर चारों भाई अपने नाना के यहाँ रहने चले गए। कुछ दिन तक तो सब ठीक-ठाक चला। बाद में नाना के घर में भी ब्राह्मण के चारों बेटों के साथ बुरा व्यवहार किया जाने लगा। इस स्थिति को देखते हुए चारों भाइयों ने निश्चय किया कि उन्हें कोई विद्या ग्रहण करनी चाहिए, ताकि लोग उनके माता-पिता की तरह ही उनका भी सम्मान करें। यह सोचकर चारों भाई चारों दिशाओं में अलग-अलग चल दिए। चारों भाइयों ने घोर तपस्या की और

स्ट्रेस कम कर एनर्जी बढ़ाता है थाई मसाज

थाई मसाज एक अलग किस्म का बाँड़ी वर्क है। एक्स्प्रेसर मसाज को सांस लेने की तकनीक के साथ जोड़कर हल्के स्ट्रेच और एलाइड योगा की मुद्राओं द्वारा इसे किया जाता है। अन्य पूर्वी देशों की उपचार पद्धतियों की भाँति थाई मसाज हमारी एनर्जी लाइन्स की प्रक्रिया पर कार्य करती है। इसे सेन कहा जाता है।

हम सांस लेने के लिए जो हवा लेते हैं या जो भी हम खाते हैं अदृश्य रूप में वह हमारे कोशिकाओं में बहता है। हमारी रक्तशिराओं में किसी प्रकार का अंसतुलन या रूकावट का असर हमारे पूरे स्वास्थ्य पर पड़ता है। किसी भी स्वस्थ व्यक्ति में उसका शारीरिक, भावनात्मक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन जरूरी है।

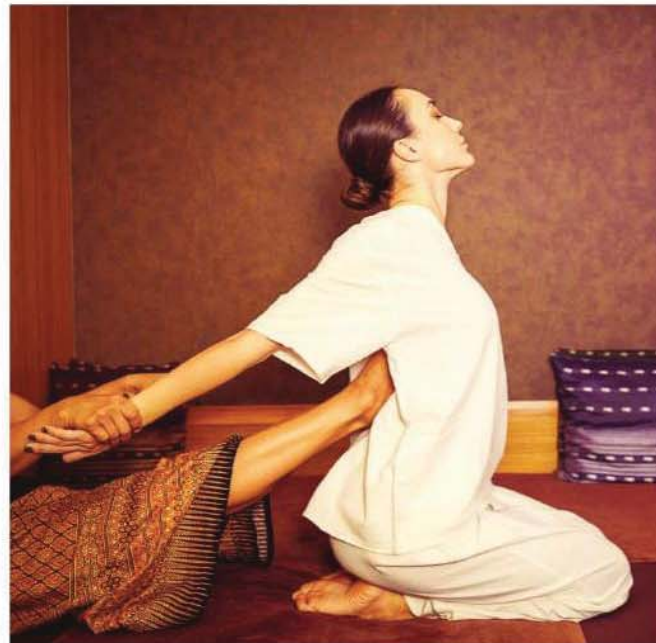
एक ऊँची मेज पर एक घंटे तक चुपचाप लेटे रहने की बजाय थाई मसाज में या मैट्स को फर्श पर बिछाकर कपड़ों समेत की जाती है। इसमें मसाज करने वाला, जिसकी मसाज की जाती है, के शरीर को बार-बार मोड़कर उसमें अपना वजन डालकर इसे करता है।

योगा एक्स्प्रेसर रिफ्लेक्शोलॉजी के साथ-साथ थाई मसाज की अपनी तकनीक जैसे धीरे-धीरे थपथपा, शरीर के अंगों पर दबाव डालना और डीपस्ट्रेचिंग शामिल है। परंपरागत थाई मसाज में शरीर के हर जोड़ को स्ट्रेच किया जाता है और हर मांसपेशी को मसाज करने वाला अपने हाथों, कोहनीयों, पैरों और घुटने से दबाता है। इसमें शरीर की एनर्जी लाइन्स खुलती हैं और इनमें रक्तप्रवाह तीव्र होता है। धीरे-धीरे थपथपाने और अंगों पर दबाव डालने से शरीर को राहत मिलती है। इसमें योगासन, एक्सरसाइज के साथ नयी मसाज तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाता है।

विक्रम बेताल की कहानी विद्या का गुणगान



फलस्वरूप कुछ विशेष विद्याएं हासिल की। जब चारों भाई काफी समय बाद मिले तो उन्होंने एक-दूसरे को खुद के द्वारा हासिल की गई विद्या के बारे में बताया। एक ने कहा- मैं मरे हुए जीव की हड्डियों पर मांस चढ़ा सकता हूँ। दूसरे ने कहा, मैं मांस पर खाल और बाल बना सकता हूँ। तीसरे ने कहा, मैं मरे हुए जीव के सभी अंगों



माना जाता है कि थाई मसाज की जड़ें हमारे देश में ही हैं। क्योंकि थाई मसाज और योगासन की फिलोसफी में काफी समानता है। आजकल थाई मसाज दुनिया के हर देश में की जाती है। इसकी परंपरागत वास्तविक तकनीक तो अतीत के पन्नों में खो चुकी है लेकिन इसकी तकनीक और प्रैक्टिस को थाईलैंड के मंदिरों में संरक्षित करके इसे सदियों से गुरु शिष्य परंपरा के माध्यम से विस्तार दिया जाता रहा है। थाई मसाज करने वाले को अपने कलाईट के स्वास्थ्य के विषय में पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। इसे किसी भी आयुवर्ग के स्त्री, पुरुष, योगी जिन्होंने कभी योगा न किया हो, खेल की गतिविधि से जुड़े लोग, गर्भवती महिलाएं

कर सकती हैं। यह इंसोमनिया, माइग्रेन, डिप्रेशन, जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों की जकड़न से राहत दिलाती है यानी यह एक ऐसी थैरेपी है जिसे कोई भी अपनी जरूरत के अनुसार ले सकता है। थाई मसाज के फायदे रक्त संचार में वृद्धि करती है। पावों और टांगों पर दबाव बनाने के कारण इससे आराम मिलता है। शरीर में तनाव पैदा करने वाले केन्द्रों को खोलती है, जो ऊर्जा के प्राकृतिक बहाव की गति को धीमा करते हैं। स्ट्रेस कम करके एनर्जी बढ़ाती है। शरीर के पीछरी अंगों को ताकत देती है। दिल और दिमाग को सुकून देती है। शरीर में लचक और मोशन बढ़ाती है। प्रत्येक के बाद माँ और बच्चे दोनों के लिए फायदेमंद होती है।

चढ़ा दिया। दूसरे ने उस पर खाल और बाल पैदा कर दिए। तीसरे ने उस जीव के सभी अंगों का निर्माण कर दिया। अंत में चौथे ने अपनी विद्या का प्रयोग करके शेर में जान फूँक दी। शेर जीवित होते ही चारों भाइयों को मार कर खा गया। इतना कहते हुए बेताल बोला, मांस विक्रम बता इन चार पढ़े लिखे मूर्खों में सबसे बड़ा मूर्ख कौन था। विक्रम ने जवाब देते हुए कहा, इन चार मूर्खों में सबसे बड़ा मूर्ख चौथा भाई था, जिसने शेर में जान डाली। वजह यह है कि अन्य ने बिना जाने ही शेर के शरीर का निर्माण किया। उन्हें पता ही नहीं था कि वह किस जीव का निर्माण कर रहे हैं। वही, चौथे को अच्छी तरह से पता चल चुका था कि यह शेर का ही शरीर है। इसके बावजूद उसने शेर के शरीर में जान डाल दी। यही उसकी सबसे बड़ी मूर्खता का प्रमाण है।

विक्रम का जवाब सुनकर बेताल बोला, विक्रम तुने बिल्कुल ठीक जवाब दिया, लेकिन तुने मेरी शर्त तोड़ दी। मैंने कहा था कि अगर तू बोला, तो मैं वापस पेड़ पर चला जाऊँगा। इसलिए तू बोला और मैं चला। इतना कहकर बेताल एक बार फिर वहीं पेड़ पर जाकर लटक जाता है।

भाषाई अलगाववाद से देश टूटेगा, रघु ठाकुर

भाषाई विवाद व भारत का भविष्य विषय पर परिचर्चा आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुप्रसिद्ध समाजवादी चिंतक व जननेता रघु ठाकुर ने कहा है कि हिन्दी विरोध के मुद्दे पर केन्द्र सरकार को बिना भेदभाव के कारवाई करनी चाहिए। तमिलनाडु में अनुदान राशि रोक दी गई, वहीं महाराष्ट्र में स्कूलों में हिन्दी को पढ़ाई बंद करने और तीन लाख गैर मराठी ऑटो चालकों के लिए मराठी भाषा प्रमाण-पत्र अनिवार्य करने जैसे फैसलों पर केन्द्र मौन है। यह तूफान से पहले की शांति है। ऐसे अविकल्पपूर्ण फैसलों से देश की एकता-अखंडता प्रभावित होती है और क्षेत्रीयता का जहर फैलता है।



रघु ठाकुर आज रायपुर प्रेस क्लब में हाभाषावी विवाद और भारत का भविष्य विषय पर आयोजित परिचर्चा में अध्यक्ष के रूप में बोल रहे थे। परिचर्चा में साहित्यकार रामकुमार तिवारी, पत्रकार रवि भोई, प्रफुल्ल ठाकुर व जयंत सिंह तोमर ने भी संबोधित किया।

उदाहरण बताते हुए कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने ढाका में बंगला पर उर्दू थोपने का प्रयास किया था, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश अलग राष्ट्र बना। वैश्विक कॉर्पोरेट ताकतें भारत में भी भाषा के आधार पर अलगाववाद पैदा करने की फिराक में हैं। भाषा के आधार पर कट्टरता से देश टूटेगा, बनेगा नहीं।



रघु ठाकुर ने कहा कि नई शिक्षा नीति में हर प्रांत में मातृभाषा के साथ एक राष्ट्रीय भाषा और एक विदेशी भाषा सीखने का प्रावधान है, लेकिन महाराष्ट्र सरकार ने हिन्दी को अलग कर दिया। हिन्दी-हिन्दू-हिन्दुस्तान के नाम पर सत्ता में

आई केन्द्र सरकार इस पर मौन है।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, डॉ. राममनोहर लोहिया, लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर जैसे नायकों ने अंग्रेजी की औपनिवेशिक मानसिक दासता से मुक्ति के लिए हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में अपनाने की जरूरत महसूस की थी। हिन्दी राष्ट्रभाषा बनते-बनते रह गई और राजभाषा तक सीमित हो गई। देश की एकता के लिए हर देशवासी को कोई न कोई भारतीय भाषा सीखनी चाहिए।

रघु ठाकुर ने लोहिया और पेरियार के संवाद का जिक्र करते हुए कहा कि लोहिया ने पूछा था कि क्या आप हिन्दी विरोधी हैं, तो पेरियार ने कहा था कि मैं वर्चस्व थोपने का विरोधी हूँ, हिन्दी विरोधी नहीं। दोनों ने अगली मुलाकात तक एक-दूसरे की भाषा सीखने का तय किया था। साहित्यकार रामकुमार तिवारी ने कहा कि छोटी-छोटी अस्मिताओं को बड़ी अस्मिता में समाहित करने से ही देश बनता है। आजादी के

बाद गांधी ने कहा था कि दुनिया से कह दो गांधी को अंग्रेजी नहीं आती, वहां आज भारतीय भाषाओं के बीच विवाद दुर्भाग्यपूर्ण है।

पत्रकार रवि भोई ने इसे राजनीतिक मुद्दा बताते हुए रघु ठाकुर को पहल का समर्थन किया। पत्रकार प्रफुल्ल ठाकुर ने कहा कि भाषा को भय, श्रेष्ठता और अस्मिताबोध से परे रखकर सहज प्रवाहित होने देना चाहिए। परिचर्चा का शुभारंभ महात्मा गांधी व डॉ. राममनोहर लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। अतिथियों का स्वागत मातामणि तिवारी ने और आभार लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अशोक पंडा ने व्यक्त किया। आयोजन में श्याम सुंदर सिंह व जावेद उस्मान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संचालन वरिष्ठ पत्रकार जयंत तोमर ने किया। इस अवसर पर रामसिंह क्षत्रिय, नरसिंह साहू, सोमनाथ साहू, शिव नेताम, गिरीश पंकज, गिरीश बोरा, वीरेंद्र पांडे, योगेश सहित बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी उपस्थित थे।

प्रदेश का सबसे बड़ा महाकन्या भोज, 2000 कन्या माता सती चौरा दुर्गा मंदिर के महाकन्या भोज में शामिल हुईं

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग के श्री सतीचौरा माँ दुर्गा मंदिर समिति द्वारा कर नवरात्र पर्व के अवसर पर आज महाकन्या भोज का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में कन्यामाताओं को एक साथ, एक समय एवं एक स्थान में बैठाकर कन्या भोज कराया गया, कन्याभोज में 2000 से ज्यादा आए हुए 1 वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक की कन्यामाताओं को कन्याभोज कराया गया।



आयोजक समिति के सुजल शर्मा ने बताया कि श्री सतीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में इस वर्ष कर नवरात्र पर्व के अवसर पर आज कर नवरात्र पर्व के समापन कार्यक्रम में पूरे प्रदेश का सबसे बड़ा एवं ऐतिहासिक कन्याभोज का आयोजन किया गया, कन्याभोज में सबसे पहले सभी कन्यामाताओं दुर्गाधाम पुरानी गंजमण्डी, गंजपारा, दुर्ग में 2000 से ज्यादा कन्यामाताओं को अलग अलग वाड़ी से एकत्रित किया गया, जहां समिति की महिला सदस्यों ने सभी कन्यामाताओं को पैर में माहुर (अलात) लगाया गया, एवं सभी को माता का श्रृंगार करके चुनरी उढ़ाकर भव्य

शोभायात्रा निकाल के कन्यामाताओं को गंजपारा करते हुए दुर्गा मंदिर लाया गया जहाँ पर सभी कन्यामाताओं को एक साथ बैठाकर कन्याभोज कराया गया। कन्यामाताओं की शोभायात्रा में पूरे गंजपारा वासी अपने अपने घरों के ऊपर से कन्या माताओं के ऊपर फूल की वर्षा किये एवं रोड को ठंडा करने के लिए पूरे शोभायात्रा मार्ग में पानी का छिड़काव किये पूरे गंजपारा वासी, कन्याभोज में शोभायात्रा, एवं कन्याभोज में सेवा दिए। कन्याभोज में शहर के बहुत वाडों

से अलग अलग पार्श्व, पूर्व पार्श्वों के साथ आननबाड़ी दीदी एवं अन्य सेविका कन्या भोज में कन्यामाताओं को लाया गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश का यह सबसे बड़ा एवं ऐतिहासिक कन्याभोज रहा जिसमें 2000 से ज्यादा कन्यामाताओं ने एक साथ कन्याभोज किया, कन्यामाताओं की शोभायात्रा में पूरे गंजपारा वासी अपने अपने घरों के ऊपर से कन्या माताओं के ऊपर फूल की वर्षा किये एवं रोड को ठंडा करने के लिए पूरे शोभायात्रा मार्ग में पानी का छिड़काव किये पूरे गंजपारा वासी,

कन्याभोज में शोभायात्रा, एवं कन्याभोज में सेवा दिए। कन्याभोज के लिए जब पूरे शहर के हर वाडों से जब कन्या माताएँ निकली तब पूरे शहर में चारों तरफ धार्मिक वातावरण देखने को मिला पूरा शहर आज कन्या माताओं धक गया ऐसा अलौकिक दृश्य देखने को पहले कभी नहीं मिला, कन्या भोज के लिए जब बच्चे सतीचौरा आये तो माता की मंदिर पूरी तरह भर गयी जहाँ कन्या माताओं की आरती की गई दुर्गाधाम पुरानी गंजमण्डी में गंजपारा दुर्गाउत्सव समिति द्वारा पण्डाल लगाकर कन्यामाताओं को बैठाया गया, एवं सभी कन्यामाताओं के लिए पानी, बिरिक्त एवं फल का वितरण किया गया, कन्या माताओं की शोभायात्रा के पश्चात सभी कन्या माताओं को भोजन कराया गया भोज पश्चात सभी कन्या माताओं को भेंट स्वरूप गिफ्ट का वितरण किए। कन्या भोज हेतु 800 मीटर से ज्यादा जगह पर लंबा पंडाल लगाया गया, कन्या भोज में कन्या माताओं को चावल, दाल, पूड़ी, सब्जी, बंड, सेव एवं बूटी का वितरण क्या है, यह कन्याभोज दुर्ग का ऐतिहासिक आयोजन हो गया है, पूरे गंजपारा की हर सड़क हर गली कन्या माताओं से भरी थी, पूरे जिले के धर्मप्रेमी कन्या भोज देखने आये।

कन्याभोज में विशेष रूप से

कार्यक्रम में विशेष रूप से सरोज पांडेय पूर्व सांसद ललित चन्द्राकर, पिछड़ा आयोग उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ शासन डॉ. विष्णू शर्मा अध्यक्ष बाल आयोग छत्तीसगढ़ शर्मा अल्का बाघमार महापौर अरुण चौरा पूर्व विधायक राजेंद्र साहू महेश ठाकुर अजय शर्मा अशोक राठी आर एन वर्मा प्रतिभा सुरेश गुप्ता हषिका संभव जैन सुश्री पायल जैन नवकार परिसर प्रवीण भूतड़ा डा मानसी गुलाटी राजेश शर्मा मनोज गुप्ता केटर्स यूनिवर्सिटी अध्यक्ष राजकुमार वर्मा कन्या दीपार मनोज ठाकुर लीना दुबे नरेंद्र गुप्ता संजय शर्मा पिंकी गुप्ता ललित शर्मा विकास पुरोहित राहुल शर्मा ईशान शर्मा अर्जित शुक्ला सुजल शर्मा विवेक मिश्रा मनोज श्रीवास्तव राजेश शर्मा बाबू ताम्रकार चेतन जैन सुंदर गुप्ता मनीष सेन आशीष मेश्राम हर्षद पारख सौंदर्य गुप्ता ऋषभ जैन मोहित पुरोहित ऋषि गुप्ता चिंदू शर्मा कृतज्ञ शर्मा नमन खंडेलवाल सुयश गुप्ता अनमोल पांडेय वाशु शर्मा प्रकाश करण सोनल सेन वंश पांडेय वेदांत शर्मा श्रीकांत उपाध्याय दीपक पंडा सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक एवं हजारों की संख्या में महिला पुरुष एवं युवा उपस्थित थे।

नवरात्रि ड्यूटी के बाद राजनांदगांव पुलिस ने किए मां बम्लेश्वरी के दर्शन



बैड की धुन से गुंजा मंदिर परिसर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शारदीय नवरात्रि अष्टमी के पावन अवसर पर नवरात्रि की चुनौतीपूर्ण ड्यूटी के सफल निर्वहन के बाद राजनांदगांव पुलिस ने मां बम्लेश्वरी मंदिर में आरती-अर्चना की।

इस दौरान पुलिस बैड द्वारा भक्तिमय धुनों से पूरे परिसर में आध्यात्मिक और श्रद्धा का वातावरण बना। नवरात्रि ड्यूटी में तैनात समस्त पुलिस बल ने मां के

श्रीचरणों में उपस्थित होकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। पुलिस के अनुसार नवरात्रि के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ रही। श्रद्धालुओं को सुरक्षित और व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित कराए गए। इस वर्ष डोंगरगढ़ मेले में पट्टयात्रियों के साथ शून्य दुर्घटना रही और किसी भी प्रकार की आपाधिक घटना घटित नहीं हुई, सभी कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुए।

जैन संस्कार शिविर मानव मिलन संस्थापक, नेपाल के ससी, राष्ट्र संत श्री डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज के पावन सानिध्य ले रहें शिक्षा

135 बच्चों को मिल रही धर्म और संस्कारों की शिक्षा



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

वधमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ, दुर्ग के बैनर तले 18 अक्टूबर से जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में जैन संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में लगभग 135 बच्चे धर्म एवं

संस्कारों की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

मानव मिलन संस्थापक, नेपाल के ससी, राष्ट्र संत श्री डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज के पावन सानिध्य तथा पूज्य पुनित मुनि जी महाराज के प्रेरक मार्गदर्शन में आयोजित शिविर का उद्देश्य बच्चों में धर्म के प्रति आस्था, सदाचार, अनुशासन, विनम्रता,



अहिंसा और करुणा जैसे गुणों का विकास करना है।

शिविर में पूज्य पुनित मुनि जी महाराज बच्चों को सरल एवं सहज तरीके से जैन धर्म के मूल सिद्धांतों और जीवन की श्रेष्ठ बनाने वाले संस्कारों से परिचित करा रहे हैं। संयोजन में जय आनंद मधुकर रतन पाठशाला की

प्राध्यापिका कविता रतनबोहरा, अरुण रतनबोहरा, इंदिरा बोहरा, भूमिका संचेती, चंचल श्रीश्रीमाल, चंदा रूणवाल, मंजु सुराणा, मोनिका चोपड़ा, पायल पारख, रेणुका गोलख, संगीता बाघमार, रिकी बेगानी, रचिता श्रीश्रीमाल का उत्कृष्ट योगदान रहा।

फेडरेशन की अति आवश्यक बैठक 25 अक्टूबर को दुर्ग में

दुर्ग। छत्तीसगढ़ कमचौरी-अधिकारी फेडरेशन से संबद्ध कमचौरी संगठनों के पदाधिकारियों की एक अति आवश्यक बैठक आगामी 25 अक्टूबर रविवार को दोपहर 2:00 बजे जिला पंचायत दुर्ग के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक को फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा संबोधित करेंगे। उनके साथ लिपिक वर्ग कमचौरी संघ प्रांत अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी, स्वास्थ्य एवं बहुउद्देशीय कार्यकर्ता संघ प्रांत अध्यक्ष पंकज पांडे, छत्तीसगढ़ शिक्षक फेडरेशन प्रांत अध्यक्ष एवं दुर्ग संभागीय संयोजक राजेश चटर्जी जी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग सांस्कृतिक कमचौरी संघ प्रांतीय महामंत्री एवं दुर्ग जिला संयोजक विजय लहरे भी उपस्थित रहेंगे।

GOSWWAMI FLEX PRINTING
ADVERTIZER

मिलाई मैं सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

◆ Hoardings ◆ Flex Banner ◆ Vinyl Printing
◆ One Way Vision ◆ Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arcia Tower, M.C. Market

अर्चना फ्लाइ ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, मिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts

birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
DM for Order

Followed by s_andeep

Follow Message

Order Now:
@baked.by.suhani
MO.6263734520

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए बम्ब 33, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100